RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार , 30 जून 2026 | वर्षः 04, अंकः 101 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत और सेशेल्स के बीच गहरी हुई दोस्ती: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी शामिल हुए सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के जश्न में, पीएम का हुआ भव्य स्वागत

विक्टोरिया (सेशेल्स)/एजेंसी

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर राजधानी विक्टोरिया में आयोजित राष्ट्रीय दिवस समारोह के जश्न में शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा इस समारोह में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। सेशेल्स के लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह एक्स पर लिखा, " सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह समारोह सेशेल्स की आजादी की स्वर्ण जयंती का प्रतीक है। यह अवसर पिछले पचास वर्ष में सेशेल्स के लोगों की शानदार यात्रा को एक उचित श्रद्धांजलि थी। भारत को सेशेल्स के विकास के सफर में एक भरोसेमंद दोस्त और साझेदार के तौर पर उसके साथ खड़े होने पर गर्व है। हमारी साझेदारी साझा मूल्यों और लोगों के बीच आपसी संबंधों के मजबूत होने के साथ और भी गहरी होती जा रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी मजबूत होगी।" भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सेशेल्स की आजादी की 50वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित नेशनल डे के जश्न में 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के तौर पर शामिल हुए और ऐसा सम्मान पाने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।"

उन्होंने कहा, "इस परेड में भारतीय नौसेना और सेना की टीमों वाली एक भारतीय मार्चिंग टुकड़ी ने हिस्सा लिया। भारतीय मार्चिंग यूनिट का हिस्सा एक भारतीय नौसेना बैंड भी रहा।

यह भारत और सेशेल्स की करीबी और खास साझेदारी को दिखाता है। एक खास पहल के तहत आईएनएस तरकश और आईएनएस इक्षक को पोर्ट विक्टोरिया में खड़ा किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक मौके पर सेशेल्स के लोगों को बधाई दी

प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक मौके पर सेशेल्स के लोगों को भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं।"प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को सेशल्स दौरे के आखिरी दिन प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे के आखिरी दिन भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने विक्टोरिया में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। प्रधानमंत्री ने अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने विक्टोरिया के पीस पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए है। इससे पहले भारत और सेशेल्स ने 19 बड़े समझौतों और विकास परियोजनाओं का ऐलान किया।

भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग लगातार मजबूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे के आखिरी दिन भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करना, 1,250 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट (लोन), साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति शामिल है। भारत ने सेशेल्स को एक फास्ट पेट्रोल वेसल, 10 यूटिलिटी वाहन, 5 नौकाएं, 6 एम्बुलेंस, 500 मीट्रिक टन चावल और 8,500 मीट्रिक टन सीमेंट भी सौंपा।

50 वर्ष पूरे होने के मौके पर ये समझौते किए गए।

पीएम मोदी भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की

मोदी ने सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। वह सेशेल्स के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस साल सेशेल्स की आजादी और भारत-सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष भी पूरे हुए हैं। राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित परेड में असम राइफल्स, भारतीय नौसेना और नौसेना के मार्चिंग बैंड ने हिस्सा लिया। परेड के दौरान प्रधानमंत्री मोदी भारतीय सैन्य दल के सम्मान में खड़े हो गए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तरकश और आईएनएस इक्षाक भी पोर्ट विक्टोरिया पहुंचे। इससे पहले उन्हें सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया गया। उन्हें अब तक 34 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है।

गोल्डन जुबली नेशनल डे में मुख्य अतिथि

पीएम मोदी 28 जून को सेशल्स की आजादी के 50 साल पूरे होने पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

175 मिलियन डॉलर का आर्थिक पैकेज

भारत ने सेशल्स के विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1651 करोड़) के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। इसके अलावा भारत ने सेशेल्स को भारत में बना फास्ट पेट्रोल वेसल 'पीएस लेस्पवार' गिफ्ट किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में निर्मित फास्ट पेट्रोल वेसल ढर लेस्पवार सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी को गिफ्ट किया। यह सेशेल्स की समुद्री निगरानी क्षमता को मजबूत करेगा।

नए समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और सेशेल्स ने 19 अहम समझौतों और घोषणाओं का ऐलान किया। इसमें प्रत्यर्पण संधि, यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करने, डिजिटल भुगतान आदि शामिल थे।

मोदी ने कोको डी मेर पौधा लगाया

कोको डी मेर का पौधा और इसका फल सिर्फ सेशल्स में ही प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। इसके फल के अंदर मिलने वाला बीज दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे भारी बीज माना जाता है। एक अकेले बीज का वजन 15 से 30 किलोग्राम तक हो सकता है।

ग्राम सभाओं में कम भागीदारी पर राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट मंगलवार को होगी जारी

नई दिल्ली/एजेंसी

देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ग्राम सभाओं में कम भागीदारी पर तैयार राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट 30 जून को नई दिल्ली में जारी की जाएगी। पंचायती राज मंत्रालय के अनुसार नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम रिपोर्ट का विमोचन करेंगे। इस अवसर पर पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, शोधकर्ता तथा पंचायती राज संस्थाओं से जुड़े विभिन्न हितधारक उपस्थित रहेंगे। पंचायती राज मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की लगभग 400 ग्राम पंचायतों में किए गए व्यापक क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित है। अध्ययन में पीईएसए क्षेत्रों और महिला नेतृत्व वाली ग्राम पंचायतों सहित करीब 7,790 लोगों की भागीदारी रही। रिपोर्ट में ग्राम सभा में नागरिकों की भागीदारी को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का विश्लेषण किया गया है। इनमें जागरूकता का स्तर, सूचना एवं संचार व्यवस्था, समावेशिता, संस्थागत जवाबदेही, स्थानीय शासन प्रणाली, बुनियादी ढांचे की उपलब्धता तथा नागरिकों की धारणाएं शामिल हैं। रिपोर्ट का उद्देश्य सहभागी लोकतंत्र और जमीनी स्तर के शासन को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक उपायों की पहचान करना तथा नीति निर्माण, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और ग्राम सभाओं में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए साक्ष्य-आधारित सुझाव उपलब्ध कराना है।

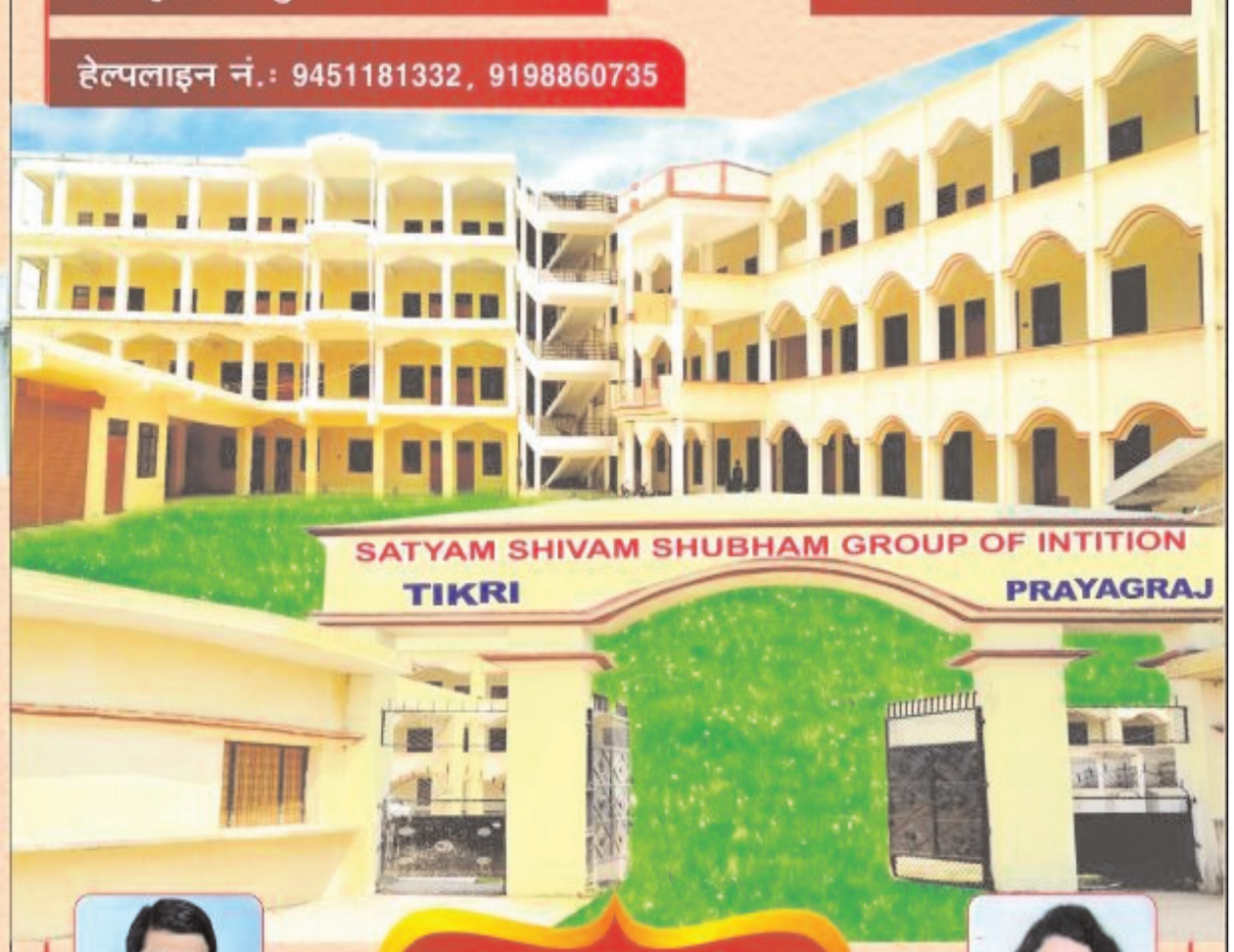

4

1

बाहर की दवा लिखने के आरोप में सीएचसी पर अनिश्चितकालीन धरना, चिकित्सक को हटाने की मांग

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! अफजलगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तैनात एक चिकित्सक पर मरीजों को अस्पताल के बजाय बाहर की मेडिकल दुकानों से दवाइयां लिखने का आरोप लगाते हुए भारतीय किसान सामाजिक संगठन ने सोमवार को सीएचसी परिसर के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उन्हें धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा। धरने का नेतृत्व संगठन के जिला उपाध्यक्ष आरेन्द्र शर्मा और नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी ने किया। इस दौरान कार्यकताओं ने चिकित्सक को तत्काल सीएचसी से हटाने, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। धरना स्थल पर संगठन के कार्यकताओं ने डॉ प्रमोद देशवाल के खिलाफ नारेबाजी भी की। जिला उपाध्यक्ष आरेन्द्र शर्मा ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले गरीब और जरूरतमंद मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों के बजाय बाहर की मेडिकल दुकानों से दवाएं लिखी जा रही हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में संगठन की ओर से कई बार उपजिलाधिकारी धामपुर, मुख्य

चिकित्सा अधिकारी बिजनौर और जिलाधिकारी को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि 18 जून को भी संबंधित मामले में लिखित शिकायत प्रशासन को सौंपी गई थी। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। संगठन का दावा है कि उसके पास शिकायतों से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं, जिनके आधार पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। वही नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी ने कहा कि यदि सरकारी अस्पताल में मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ें तो सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य प्रभावित होता है। उन्होंने शासन प्रशासन से जनहित में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि जब तक चिकित्सक को हटाकर निष्पक्ष जांच शुरू नहीं की जाती, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान कार्यकताओं ने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। उधर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश निराला ने बताया कि मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। शिकायत की जांच कराई जाएगी तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। धरने में राष्ट्रीय सचिव ज्ञानचंद प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष आरेन्द्र शर्मा, नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी, सुशील कुमार, इकरार अहमद, अहसान शाही, साजिद सैफी, आसिम अंसारी,अफसर हुसैन फरीद अहमद, इमामुद्दीन कस्सार, जलालुद्दीन, मुस्ताकीम अहमद, मोहम्मद अकरम, यामीन अहमद,मिस्बाउद्दीन अहमद, समीम अहमद, ईदरीश अहमद, सुनील कुमार, जितेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चार अन्तरार्जीय वाहन चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 8 मोटरसाइकिल व 5 मोबाइल फोन बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना खुर्जा नगर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान सीकरी जाने वाले रास्ते के पास से 4 अभियुक्तों को चोरी के 5 मोबाइल व 2 मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तों की निशांदेही पर सीकरी बम्बे के पास एक खाली प्लाट सें चोरी की 6 मोटरसाइकिल बरामद की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्तगण शातिर किस्म के चोर हैं, जिनके द्वारा जनपद बुलन्दशहर व आस पास के जनपदों से मोटरसाइकिलों की लूट/चोरी की जाती हैं जिन्होने पूछताछ पर बताया कि हम सभी कपिल व रोहित के साथ मिलकर मोबाईल फोन व मोटरसाईकिल आदि की चोरी करते है तथा हम लोग राह चलते व्यक्तियों को अपनी घरेलू समस्या का हवाला देकर मोबाईल फोन व मोटरसाईकिलो को उन्हे कम दामों में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते है तथा उनके रुपयों को आपस में बांट लेते है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता
हर्ष पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम हामिदपुर थाना टप्पल जनपद अलीगढ , कुणाल पुत्र पुष्पेन्द्र सिंह निवासी बगरईकला थाना खुर्जा देहात जनपद बुलन्दशहर. मोहित पुत्र किशनपाल सिंह निवासी ग्राम सैंदा फरीदपुर थाना खुर्जा देहात. करण पुत्र अजयपाल सिंह निवासी ग्राम बगरई खुर्द थाना खुर्जा देहात जनपद बुलन्दशहर ।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 14 जून को थाना पश्चिम शरीरा पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग पुत्री के साथ आरोपी मुन्नी लाल दिनांक 8.04.2026 को जबरन गलत काम किया गया है तथा किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गयी । आरोपी धमकी देकर मुझसे दो लाख रुपए ले चुका है और अब 50 हजार रुपए और मांग रहा है नहीं मिलने पर जान से मारने की धमकी दी गयी है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पश्चिम शरीरा में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में सोमवार को थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मुन्नी लाल उर्फ मुकेश शर्मा पुत्र सूर्यबली शर्मा निवासी अमीना का पुरवा गोराजू थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया है ।

यूपीआई ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार युवक को 1.41 लाख रुपये वापस मिले

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। साइबर क्राइम थाना एवं साइबर सेल कौशाम्बी की प्रभावी कार्रवाई से यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार हुए एक व्यक्ति को 1,41,000 रुपये की धनराशि वापस दिलाई गई।

जानकारी के अनुसार, थाना मंझनपुर क्षेत्र निवासी अमित कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके साथ यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी कर 1.41 लाख रुपये की ठगी कर ली गई है। मामले में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत

संख्या 23106260111841 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देश पर साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना एवं साइबर सेल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी गई पूरी धनराशि 1,41,000 रुपये आवेदक के बैंक खाते में वापस करा दी।

अपनी धनराशि वापस मिलने पर अमित कुमार ने कौशाम्बी पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए साइबर टीम की सराहना की।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए सतर्क एवं जागरूक रहें। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी का शिकार होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं या www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत करें। इसके अलावा अपने नजदीकी थाने की साइबर हेल्प डेस्क पर भी संपर्क किया जा सकता है। पुलिस ने लोगों से किसी भी लालच में न आने तथा अनजान लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी है।

कप्तान ने कार्यालय में की जनसुनवाई थाना प्रभारियों को निस्तारण के दिए निर्देश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । सोमवार को पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा पुलिस कार्यालय में आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया।

एसपी द्वारा प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कर आमजन को त्वरित राहत प्रदान की जाए।

चौपाल लगाकर महिलाओं को किया गया जागरूक

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक महोदय तथा समस्त क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0, साइबर जागरूकता अभियान एवं नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों तथा नए आपराधिक कानूनों की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही सास-बहू सम्मेलन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा सहित महिला हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं संबंधित थानों के सीयूजी नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का निर्भीक होकर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुठभेड़ के बाद पांच पशु तस्कर गिरफ्तार, दो घायल, दो भैस, एक कटिया, तमंचा, बोलेरो गाड़ी बरामद

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! कोतवाली देहात पुलिस ने पशु चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए पुलिस मुठभेड़ के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो भैंसें, एक कटिया, अवैध तमंचे, कारतूस, चाकू तथा घटना में प्रयुक्त एक महिंद्रा बोलेरो भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 26/27 जून की रात ग्राम दयाम नगला से दो भैंस और एक कटिया

चोरी होने के संबंध में थाना कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई। 28 जून की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नहटौर रोड स्थित नगला पेट्रोल पंप के पास संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीन अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि वे रेकी कर पशुओं की चोरी करते थे और चोरी की गई भैंसों व कटिया को पीड़ित से ही बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है।

गिरफ्तार आरोपियों में रमीज उर्फ लंबू कुरैशी, रिशु उर्फ भूरा, गुलफाम, गुड्डू तथा सफीक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रमीज के विरुद्ध पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

भेलखा में हुई हत्या का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । रविवार को थाना मंझनपुर पर वादिनी गुजरी देवी पत्नी सहदेव सरोज निवासी भेलखा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरे ससुर बब्बू सरोज बिहार में भट्ठे पर काम करते है घर आये थे । घर के बगल में बबूल के पेड़ को कुछ दिन पहले मेरे ससुर के बड़े भाई राजा सरोज द्वारा काट लिया गया था । इसी बात को लेकर दोनो लोगों में विवाद हो गया जिसपर राजा सरोज द्वारा मेरे ससुर बब्बू सरोज को चारपाई की पाटी से सर पर मार दिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये । जिन्हे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी । स्थानीय पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्यवाही करते हुये शव का पोस्टमार्टम कराया गया था ।

सोमवार मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अभियुक्त राजा सरोज पुत्र स्व0 रामदुलारे निवासी भेलखा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को मुखबिर खास की सूचना के आधार पर भेलखा बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की निशादेही पर आला कत्ल एक चारापाई की लकड़ी की पाटी बरामद किया गया ।

चोरों ने एक ऑटोमोबाइल दुकान को बनाया निशाना

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर ! स्योहारा थाना क्षेत्र में चोरों ने एक ऑटोमोबाइल दुकान को निशाना बनाया। बीती रात हुई इस वारदात में चोर दुकान से कार के एसी कंप्रेसर, तांबे की कॉइल और सोलर पैनल की केबल सहित ॅ९१ङ्क का सामान चुरा ले गए।

मुरादाबाद रोड पर स्थित नेशनल ऑटोमोबाइल के मालिक मोहम्मद मेहशर रोजाना की तरह अपनी दुकान बंद कर घर गए थे। रात करीब 1:30 बजे दो अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान में सेंध लगाई।

चोर पहले दुकान की दीवार पर चढ़े और वहां लगे लोहे के जाल को काटा। इसके बाद वे दुकान के भीतर दाखिल हुए और अंदर लगे तीन ताले तोड़ दिए। दुकान के अंदर से चोरों ने कीमती सामान चुराया। पीड़ित मोहम्मद मेहशर के अनुसार, चोर 2 कार एसी कंप्रेसर, 3 तांबे की मैग्नेट कॉइल और लगभग 80 मीटर सोलर पैनल की केबल ले गए।

अगली सुबह जब दुकानदार मेहशर दुकान पहुंचे तो उन्हें चोरी का पता चला। दुकान के ताले टूटे थे और सामान गायब था। हालांकि, चोरों की यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

पीड़ित दुकानदार ने स्योहारा थाना पुलिस को तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई है और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच कर रही है।

शादी का झासा देकर नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 12 जून को थाना सराय अकिल पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग पुत्री के साथ आरोपी रोहित पुत्र शिव बरन द्वारा शादी का झासा देकर दुष्कर्म किया गया है । शादी के लिये कहने पर आरोपी के परिजनों द्वारा गाली गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी दी गयी है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सराय अकिल में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में सोमवार को थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रोहित पुत्र शिव बरन निवासी बेरूई थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को इच्छना नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया है ।

मिशन शक्ति टीम में हेल्पलाइन नंबरों के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान ह्यमिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरणह्ल के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

सोमवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

प्रेम विवाह करने वाली बालिका की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

बालिका के भाई ने पति ससुर सास पर लगाया हत्या करने का आरोप

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। प्रेम विवाह करने वाली बालिका की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है मौत के बाद बालिका के मायके में हड़कंप मच गया है मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बालिका के भाई कुलदीप पटेल ने सास ससुर पति पर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है घटना कड़ाधाम थाना क्षेत्र के सौराई बुजुर्ग गांव की है ।

कड़ा धाम थाना क्षेत्र के ग्राम सौराई बुजुर्ग गांव निवासी रितु पटेल उम्र 20

वर्ष पुत्री मैकू पटेल ने एक वर्ष पूर्व गांव के ही अभिषेक पटेल पुत्र संतोष पटेल के साथ प्रेम विवाह किया था प्रेम विवाह के बाद ही बालिका को प्रताड़ित किया जाने लगा सोमवार सुबह डायल-112 पुलिस को सूचना मिली कि गांव में रितु पटेल की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही कड़ाधाम थाना पुलिस भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची और

घटनास्थल का निरीक्षण किया।पुलिस की प्रारंभिक जांच और मृतका के ससुराल पक्ष से मिली जानकारी के अनुसार रितु पिछले कई दिनों से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थी। परिजनों द्वारा उसका कई अलग-अलग अस्पतालों में लगातार इलाज कराया जा रहा था।

हालत में सुधार न होने पर उसे एसपीजीआई लखनऊ रेफर किया गया था जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सोमवार सुबह परिजन शव को एम्बुलेंस से वापस गांव लेकर आए थे।इसी बीच मृतका के भाई ने रितु पटेल की मौत को लेकर हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए पुलिस को सूचना दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाया और नायब तहसीलदार विनय कुमार और महिला उप निरीक्षक निधि वर्मा की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।घटना के बाबत थाना प्रभारी विनीत सिंह ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पीएम रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आने के बाद ही चल सकेगा।

प्रकरण के हर पहलू की अत्यंत निष्पक्षता और गहनता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर वैधानिक और आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

दिव्यता एवं भव्यता के साथ मनाई गई महान दानवीर भामाशाह की जयंती

सर्वोच्च राजस्व कर एवं विशेष योगदान देने वाली फर्मो, व्यापारियों, उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह से किया गया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिला पंचायत सभागार में दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई गई। व्यापारी कल्याण दिवसह्न पर जनपद में सर्वोच्च राजस्व कर देने वाले व्यापारियों को ह्यह्यभामाशाह सम्मानह्नह्न एवं समाज में विशेष योगदान देने वाले व्यापारियों को सम्मानित किए जाने हेतु आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के द्वारा कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर सेंट एंथोनी कालेज के विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती भी की गयी। कैबिनेट मंत्री नंदी ने विकास में अपनी महती भूमिका निभाने वाले एवं सर्वाधिक राजस्व कर देने वाले व्यवसायियों, फर्मो, उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालो में मेसर्स मिनिस्ट्रियल आफ रेलवे, मेसर्स प्रिज्म जानसन लिमटेड, मेसर्स डेज मेडिकल कारपोरेट प्रा0लि0, मेसर्स मदन कलेक्शन, मेसर्स एआरसी आटोमोबाइल्स, मेसर्स श्री सांई एजेंसीज, मेसर्स आइडियल सिक्योरिटी प्रा0लि0, मेसर्स राज राजेश्वरी सेल्स सर्विश, मेसर्स लल्लू जी एण्ड सन्स एवं मेसर्स मिलन बीडी वर्क्स सम्मिलित रहे।

इस अवसर पर मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने अपने सम्बोधन में भारत माँ के सच्चे सपूत, परम देश भक्त, महादानी और हम सभी के प्रेरणास्रोत भामाशाह की पावन स्मृति पर उनको नमन करते हुए कहा कि परम दानवीर भामाशाह की जयन्ती को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। सभी सम्मानित व्यापारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश की प्रगति में हमारे व्यापारी और उद्यमी बंधु महत्वपूर्ण भूमिका है, जिनका सम्मान वास्तव में उनकी ईमानदारी और राष्ट्र-निर्माण के संकल्प का सम्मान है। व्यापारियों के कर से ही राष्ट्र का अभ्युदय होता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में व्यापारियों को भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। कहा कि भामाशाह केवल दानी ही नहीं बल्कि एक आर्थिक प्रबन्धकर्ता थे। उन्होंने ईमानदारी से कर देने वाले लोगो को आज का भामाशाह बताया।

मा0 मंत्री जी ने उद्घोष रूप से कहा कि ह्यह्यभय नहीं उत्साह चाहिए, देश को भामाशाह चाहिएह्नह्न। मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज भारत की सीमाएं सुरक्षित है। मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत सभी चुनौतियों का करारा जवाब दे रहा है। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री

जी के द्वारा व्यापारियों के हित में जीएसटी में कड़े कानूनी प्रावधान को कम किया गया है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में आप सभी उद्यमियों/व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आपके द्वारा दिए गए कर से ही देश व प्रदेश का विकास हो रहा है। देश की प्रगति में हम और आप साझेदार है। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने व्यापारियों को आधुनिक समय का भामाशाह बताते हुए कहा कि आप लोगो का देश के विकास में बड़ा योगदान है। आपके द्वारा दिए जाने वाले टैक्स से गरीबो का कल्याण होता है तथा उनके लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलती है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टैक्स कलेक्शन में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, इससे यह साफ जाहिर होता है कि आपकी मेहनत, लगन व ईमानदारी के साथ आप लोगो के द्वारा काम किया गया है। आप लोगो के योगदान से देश का विकास हो रहा है, देश आगे बढ़ रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि दानवीर भामाशाह ने देश को आजाद कराने में अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया था। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी देशसेवा कुछ भी नहीं हो सकती है। उन्होंने ऐसे सभी व्यापारियों, उद्योगपतियों का अभिनंदन किया, जो सरकारीकोष को भरने का काम कर रहे है। कहा कि आपके द्वारा टैक्स के रूप में दिए गए पैसे का पूरी पारदर्शिता के साथ गरीबो के कल्याण में उपयोग किया जा रहा है, एक-एक पैसे की जवाबदेही तय है। उन्होंने कहा कि गरीबो को प्राप्त योजनाओं के लाभ में आपके टैक्स का पैसा शामिल है। आपके टैक्स के पैसे से ही गरीबों को पक्का मकान, शौचालय, उज्ज्वला योजना का लाभ, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार के द्वारा उद्योगो को बढ़ावा दिया जा रहा है। आपको अपना उद्योग स्थापित करने के लिए कई तरीके की सुविधाएं सरकार के द्वारा दी जा रहा है। उन्होंने सभी से अपने काम को पूरी मेहनत, ईमानदारी व लगन के साथ करने का आग्रह किया। कहा कि आप सिर्फ व्यापार ही नहीं कर रहे है, बल्कि आप अपने देश को आगे बढ़ाने का काम भी कर रहे है। हमारी देश की अर्थव्यवस्था विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, तो उसमें आपका बहुमूल्य योगदान है। जिलाधिकारी ने व्यापारियों, उद्यमियों को आश्वस्त किया कि आपलोगो को जमीनी स्तर पर जो भी समस्यावें आवेंगी, उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जायेगा।

संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी द्वारा किया गया। जिला पंचायत परिसर में संस्कृति विभाग द्वारा दानवीर भामाशाह की जीवन यात्रा पर आधारित अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अभिलेख प्रदर्शनी में भामाशाह का जीवन परिचय, 25 नवंबर 1576 ई को भामाशाह के द्वारा जारी किया गया सायना का ताम्रपत्र, पीपली का ताम्रपत्र, अदा ग्राम का ताम्रपत्र, मृगेश्वर का ताम्रपत्र गांव का ताम्रपत्र, माही का ताम्रपत्र, दानवीर भामाशाह जी से संबंधित विभिन्न चित्रावली जिनमें भामाशाह महल, हल्दीघाटी का युद्ध आदि का प्रदर्शन किया गया। संस्कृति विभाग के कलाकार के द्वारा लोक गायन प्रस्तुत किया गया एवं शिक्षा विभाग के द्वारा दानवीर भामाशाह पर आधारित निबंध एवं चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राम प्रवेश प्रसाद-अपर आयुक्त ग्रेड-1 राज्यकर, शमशेर जमदग्नि-अपर आयुक्त ग्रेड-2 राज्यकर, प्रदीप सोनी- अपर आयुक्त ग्रेड-2 राज्यकर, अच्छेलाल विश्वकर्मा-संयुक्त आयुक्त, प्रबल कुमार-संयुक्त आयुक्त, नरेन्द्र कुमार- संयुक्त आयुक्त, अतुल पोरवार-संयुक्त आयुक्त, विजय कुमार पाण्डेय-उपायुक्त (प्रशासन) सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का किया स्थलीय सत्यापन

सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने राजस्व टीम कौशाम्बी द्वारा "टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान" अभियान के अंतर्गत आज तहसील सिराथू की ग्राम रामपुर सुहेला में आयोजित कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का स्थलीय सत्यापन किया एवं ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया।

जिलाधिकारी ने कैम्प में आमजन की शिकायतों को सुना एवं भूमि विवाद से संबंधित आई.जी.आर.एस शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि आई.जी.आर.एस. एवं कैम्प में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण किया जाए।

कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने शिकायतकर्ता राम भजन की शिकायत पर ग्राम की गाटा संख्या 624 की धारा 116 के अंतर्गत मौके पर ही मेड़बन्दी कराया गया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता रमाराम की शिकायत पर ग्राम की गाटा संख्या 849 की धारा 24 के अंतर्गत पैमाइश किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड़ उपस्थित रहे।

फाफामऊ कोल्ड स्टोर गैस कांड : पूर्व विधायक अंसार अहमद को जमानत

चार श्रमिकों की मौत के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट का आदेश, एक लाख के निजी मुचलके पर होगी रिहाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फाफामऊ के चंदापुर स्थित आदर्श कोल्ड स्टोर में अमोनिया गैस चैंबर फटने से चार श्रमिकों की मौत और कई लोगों के घायल होने के चर्चित मामले में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अंसार अहमद को जमानत मिल गई है। विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए) ने उनकी जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए एक लाख रुपये के निजी मुचलके एवं समान धनराशि के एक जमानती पर रिहा किए जाने का आदेश दिया।

अदालत ने आरोपी पक्ष के अधिवक्ता मो. दाऊद और सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) की दलीलें सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने माना कि मामले के अन्य सहअभियुक्तों को पहले ही जमानत मिल चुकी है, पुलिस आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है और अंसार अहमद 24 मार्च 2026 से न्यायिक अभिरक्षा में हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने मामले के गुण-दोष पर कोई अंतिम टिप्पणी किए बिना जमानत मंजूर कर ली।

गौरतलब है कि 23 मार्च 2026 को फाफामऊ थाना क्षेत्र के चंदापुर स्थित आदर्श कोल्ड स्टोर में अमोनिया गैस चैंबर फटने से भीषण हादसा हुआ था। हादसे में चार श्रमिकों की मौत हो गई थी, जबकि 14 से 15 लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने कोल्ड स्टोर प्रबंधन के खिलाफ सुरक्षा मानकों की अनदेखी, रखरखाव में लापरवाही और क्षमता से अधिक अमोनिया गैस भंडारण जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज किया था।

लायंस क्लब इलाहाबाद सिटी की चार्टर नाइट में सम्मानित हुए संस्थापक सदस्य

11वीं आम सभा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां, विशिष्ट योगदान देने वालों का हुआ सम्मान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। लायंस क्लब इलाहाबाद सिटी की 11वीं आम सभा, चार्टर नाइट एवं धन्यवाद ज्ञापन समारोह शनिवार को होटल रामा कॉन्टिनेंटल में उत्साह और गरिमामय माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. अर्पण धर दुबे एवं उनकी पत्नी वंदना दुबे रहे। क्लब के अध्यक्ष संजीव तिवारी ने संस्थापक सदस्यों और क्लब की गतिविधियों में विशेष योगदान देने वाले सदस्यों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया। जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी लालू मित्तल ने बताया कि समारोह में सदस्यों की ओर से प्रस्तुत रंगारंग एवं प्रतियोगी नृत्य कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहे। 12 सदस्यों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया, जिस पर सभागार तालियों से गूंज उठा।

अध्यक्ष संजीव तिवारी ने डॉ. जगदीश गुलाटी एवं गीता गुलाटी के विशेष सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। समारोह में सचिव संजीव त्यागी, कोषाध्यक्ष प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ. आनंद श्रीवास्तव, पी.के. श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, राजेंद्र गुप्ता, के.वी.के. जायसवाल, अनीता अग्रवाल, विनोद गुप्ता, रमेश श्रीवास्तव, कमलेश यादव, लालू मित्तल, श्वेता मित्तल, संजय जैन, मुकेश अग्रवाल, निष्ठा अग्रवाल, रमा तिवारी, रेखा त्यागी, ज्योति श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में क्लब सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ।

मंगलवार को होगा तहसील सोरांव के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

सबसे तेज प्रयागराज

मोहम्मद रिजवान सैफ खान

सोरांव। बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 30 जून दिन मंगलवार को तहसील प्रांगण में भव्य तरीके से होगा आपको बता दें कि बीते 19 जून बार एसोसिएशन तहसील सोरांव में अधिवक्ता संघ का चुनाव हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर राजेश मिश्रा महामंत्री पद पर राम प्यारे गौतम वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर इन्द्र नारायण त्रिपाठी कोषाध्यक्ष पद पर मोहम्मद अरमान संयुक्त मंत्री प्रसाशन पद पर आशीष सोनी कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजेश कुमार सिंह पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर शिवम त्रिपाठी निर्वाचित हुए है एल्डर कमेटी द्वारा मुख्य अतिथियों और विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी में 2 बजे दिन में शपथ ग्रहण कराया जाएगा।

कोचिंग संस्थानों का फायर ऑडिट, 414 छात्रों-कर्मचारियों को दिया अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर चला विशेष अभियान, सुरक्षा मानकों में मिली कमियां जल्द दूर करने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मुख्य अग्निशमन अधिकारी कमिश्नरेट प्रयागराज चंद्र मोहन शर्मा के निर्देश पर सोमवार को जिले में कोचिंग एवं ट्रेनिंग संस्थानों की विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के तहत अग्निशमन केंद्रों की टीमों ने 20 कोचिंग एवं ट्रेनिंग संस्थानों का फायर ऑडिट किया।

जांच के दौरान 414 कर्मचारियों और विद्यार्थियों को अग्निशमन उपकरणों के संचालन, आग लगने की स्थिति में बचाव तथा धुएं से भरे भवन में सुरक्षित निकासी का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। अधिकारियों ने संस्थानों में उपलब्ध अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिन संस्थानों में सुरक्षा संबंधी कमियां मिलीं, उन्हें शीघ्र आवश्यक सुधार कर उसकी सूचना अग्निशमन विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। विभाग ने कहा कि अभियान का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए छात्रों एवं कर्मचारियों को जागरूक करना है।

कमीशन न बढ़ाए जाने से नाराज कोटेदारों ने जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन प्रयागराज के बैनर तले जिलाधिकारी प्रयागराज कोकोटेदारोंने अपने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन दिया । जिला पूर्तिअधिकारी के अनुपस्थिति मेंज्ञापन क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी संतोष वर्मा को दिया गया।इस ज्ञापन को गणेश प्रसाद द्विवेदी जिला अध्यक्ष कोटेदार संघ प्रयागराज के नेतृत्व में दिया ।

उन्होंने बतायाकी अन्य राज्यों की तुलना में बेहद कम कमीशन मिल रहा है जिससे परिवार का भरण पोषण करना कठिन हो गया है ।उन्होंने कहां की लगातार बढ़ती

महंगाई परिवहन खर्च और व्यवस्थागतखर्च होने के कारण आर्थिक संकट बढ़ता जा रहा है ।कोटेदारों ने मांग की उनके लिए न्यूनतम आय गारंटी सुनिश्चित की जाए और लाभांश बढ़ोतरी की जाए इसके अतिरिक्त उन्होंने राशन वितरण व्यवस्था में आ आ रही तकनीकी और और प्रशासनिक दिक्कतों का समाधान जल्द से जल्दकराया जाए ।कोटेदारों ने चेतावनी दी है कि उनकी मांगे नहीं मानी जाएगी तो 28 जुलाई को विधानसभा का पैदल मार्च निकालेंगे और अगस्त माह का वितरण नहीं किया जाएगा जिसकी सारी जिम्मेदारी विभाग और प्रशासन की होगी।

इस ज्ञापन में प्रमुख रूप से बसंत लाल सरोज जिला महामंत्री इंद्रजीत पटेल जिला महामंत्री प्रयागराजराजकरण सिंह जिला उपाध्यक्षप्रयागराज कौशलेश सिंह जिला कोषाध्यक्ष प्रयागराज महेंद्र कुमार द्विवेदी जिला मीडिया प्रभारी लवकुश कुमार जिला सचिवप्रयागराज मनोज कुमार शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष उरुवा गंगा शंकर मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष बहरिया मनोज कुमार शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष जसरा रामसूरत सिंह ब्लॉक अध्यक्षचाका सरदार सिंह ब्लॉक अध्यक्ष शंकरसौरभ कुमार केसरवानी गुलाब शंकर पुष्पराज सिंह मनीष कुमार दुबे मुन्नीलाल संगम लाल नीतू पाल सहित तमामकोटेदार उपस्थित रहे ।

मनरेगा में भ्रष्टाचार रोकने और मजदूरी बढ़ाने की मांग, राष्ट्रपति को भेजा गया ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आजाद अधिकार सेना ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में कथित फजीवाड़े और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज के माध्यम से सौंपा। संगठन ने योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और वास्तविक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण मांगें उठाईं।

ज्ञापन में कहा गया कि मनरेगा के अंतर्गत राष्ट्रीय मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (NMMS) के माध्यम से फर्जी हाजिरी, फर्जी भुगतान और अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। संगठन ने मांग की कि योजना में होने वाले भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए तथा दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

संगठन की प्रमुख मांगों में मनरेगा मजदूरों की दैनिक मजदूरी 252 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने, रोजगार सेवकों का मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये करने तथा महिला मेट का मानदेय बढ़ाने की मांग शामिल है।

इसके अलावा फर्जी जॉब कार्डों की जांच कर उन्हें निरस्त करने, फर्जी हाजिरी और फर्जी भुगतान के मामलों में खंड विकास अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी की जवाबदेही तय करने तथा दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग भी की गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि मनरेगा में हाजिरी केवल रोजगार सेवक एवं महिला मेट के पंजीकृत मोबाइल डिवाइस से ही मान्य की जाए, ताकि फजीवाड़े पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। संगठन ने केंद्र सरकार से योजना को भ्रष्टाचारमुक्त बनाने और सरकारी धन के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार पांडे। राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद अधिकार सेवा विधि प्रकोष्ठ आशुतोष द्विवेदी एडवोकेट आदि मौजूद रहें।

जंतर मंतर के भूख हड़ताल को समर्थन देने को एक दिवसीय भूख हड़ताल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर में चल रहे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को समर्थन देने के लिए ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) की तरफ से जिले में अखिल भारतीय प्रतिवाद दिवस के तहत एक दिवसीय भूख हड़ताल की गई। शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से जंतर मंतर में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी है।

हड़ताल में पर्यावरणविद और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक के साथ आइसा के 6 साथी राष्ट्रीय अध्यक्ष कामरेड नेहा, जेएनयूएसयू की सह सचिव कामरेड दानिश, आइसा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुमार, ऋषिकेश, आमीन और दीपक शामिल हैं। जिले में जारी भूख हड़ताल में आइसा उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष कॉम. विवेक, उत्तर प्रदेश सहसचिव कॉम. सोनू सहित मानवेन्द्र, प्रदीप, अमित, हिमांशु, आदित्य, निखिल, आर्यन ने सामूहिक उपवास किया। कामरेड सोनू, विवेक, आइसा के जिला सहसचिव मानवेन्द्र ने विचार रखे। संचालन आर्यन ने किया। इस अवसर पर नीरज, आशीष, आदित्य, निखिल, अवशेष सहित तमाम छात्र और पंत छात्रावास के अंतःवासी शामिल रहे।

अघोषित विद्युत कटौती से 85 गांव के हजारों उपभोक्ताओं की नींद हराम

सिकंदरा विद्युत उपकेंद्र की व्यवस्था ध्वस्त, 6 घंटे भी बिजली मिलना मुश्किल

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। विद्युत उपकेन्द्र सिकंदरा से अघोषित विद्युत कटौती से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। बड़े पैमाने पर की जा रही विद्युत कटौती से रात में लोगों की नींद हराम हो गई है। दिन में तो किसी तरह से लोगों का समय कट जाता है लेकिन रात में बिना बिजली के जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लगातार 6 घंटे भी बिजली मिलना मुश्किल हो गया है। विद्युत उपकेन्द्र सिकंदरा से संचालित छः फीडरों बलकरनपुर, तेजपुर, बहरिया, वीरभानपुर, कल्याणपुर और बलीपुर के माध्यम से क्षेत्र के बहरिया और सिकंदरा कस्बा सहित 85 गांवों के 20 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जाती है। इन दिनों मानसूनी अवर्षण के कारण भीषण उमस भरी गर्मी पड़ रही है। स्थानीय लोग दिन में तो अपने काम धंधे के सिलसिले में बाहर रहते हैं। किंतु रात्रि के समय जब वे घरों पर आते हैं तो बिजली नदारद रहती है। रात मे ही कई बार घंटे दो घंटे के लिए विद्युत कटौती की जाती है। यह सिलसिला एक सप्ताह से ट्रांसफार्मरों के ओवरलोड होने से बढ़ गया है। इस संबंध में अवर अभियंता विद्युत उपखंड सिकंदरा वीरेंद्र कुमार से बात करने पर उनका कहना है कि 220 केबी उप स्थान महावीरन फूलपुर से रात्रि में कंट्रोलर ओवर लोड पर आपूर्ति बंद करा देता है। हमारे उपखंड़ को जो भी आपूर्ति मिल रही है। उसका हम वितरण सुनिश्चित कर रहे हैं।

प्रयागराज मंडल में भाकियू (अराजनैतिक) के मंडल उपमहासचिव नियुक्त

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के प्रयागराज मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे ने संगठन का विस्तार करते हुए गोविंद बहादुर सिंह (पुत्र स्वर्गीय राम सुंदर सिंह), निवासी ग्राम कटरा दयाराम, मऊआइमा, सोरांव, जनपद प्रयागराज को प्रयागराज मंडल का मंडल उपमहासचिव नियुक्त किया है।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि गोविंद बहादुर सिंह संगठन की नीतियों एवं सिद्धांतों के अनुरूप पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करते हुए किसानों, गरीबों एवं जरूरतमंद लोगों के हितों के लिए निरंतर संघर्ष करेंगे। उन्होंने नवनियुक्त मंडल उपमहासचिव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व एवं सक्रिय योगदान से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

जानलेवा हमले के आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

आम तोड़ने के विवाद में किशोर को जिंदा जलाने की कोशिश का आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पूरामुफ्ती पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों को मुखबिर की सूचना पर बेगमपुर गांव से पकड़ा गया। पिता-पुत्र पर आम तोड़ने को लेकर हुए विवाद के बाद एक किशोर को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश का आरोप है।

हुसैनपुर, अहमदपुर पावन गांव निवासी पन्नालाल का गांव के ही पप्पू से आम तोड़ने को लेकर 25 जून को विवाद हुआ था। इसी विवाद में पप्पू और उसके बेटे दिलीप ने 26 जून को पन्नालाल के 15 वर्षीय बेटे सूरज को गांव के बाहर पकड़ लिया। दोनों ने पहले उसकी पिटाई की, फिर पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जलाने का प्रयास किया। लोगों के पहुंचने पर पिता-पुत्र मौके से भाग गए। घरवालों ले झुलसे सूरज को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

'राजा लोहगुंडी' की वीर गाथा के साथ जनजातीय उत्सव का समापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जनजातीय उत्सव का समापन सोमवार को गोंड जनजाति की वीर गाथा पर आधारित भव्य नृत्य-नाट्य 'राजा लोहगुंडी' की शानदार प्रस्तुति के साथ हुआ। गोंड संस्कृति की लोक परंपराओं, रंग-बिरंगी वेशभूषा, लोक संगीत और रोमांचक युद्ध दृश्यों से सजी इस प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। वीरता, प्रेम और विजय की इस लोकगाथा को कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय और मनमोहक नृत्य के माध्यम से जीवंत कर प्रेक्षागृह को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. आशुतोष सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि अंजना बनर्जी, निदेशक, सुर ओ संगीत नृत्य अकादमी, प्रयागराज तथा केन्द्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। तकरीबन एक घंटे 20 मिनट की इस प्रस्तुति का निर्देशन सतीश

व्याम ने किया। पटकथा योगेश तिवारी ने लिखी। नृत्य-नाट्य में गोंडवाना के वीर शासक राजा लोहगुंडी की शौर्यगाथा को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कथा के अनुसार दुष्ट एवं जादुई शक्तियों से संपन्न राजा रामदरबाई रानी हिरोली का अपहरण कर लेता है।

इसके बाद राजा लोहगुंडी अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और जादुई तलवार के बल पर रामदरबाई को युद्ध में पराजित कर रानी को सकुशल वापस लाते हैं और अपने राज्य की रक्षा करते हैं। नाटक में पारंपरिक वाद्य यंत्रों, लोक गीतों और नृत्यों का ऐसा सामंजस्य था कि पूरा प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। नाटक में कुल 11 दृश्य प्रस्तुत किए गए, जिनमें गोंड जनजाति की पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक वाद्य यंत्रों का आकर्षक समन्वय देखने को मिला। प्रस्तुति में 50 से अधिक लोक कलाकारों ने भाग लिया और अपने जीवंत अभिनय से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पारंपरिक संगीत का संयोजन एच. अनिल सिंह ने किया, जिसने नाटक को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। इस अवसर पर केंद्र निदेशक ने मुख्य अतिथि एवं नाट्य निर्देशक को पौधा व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

संपादकीय

कबीरः भारतीय चेतना के महासूर्य और अमर गायक

भारतीय संत परंपरा में यदि किसी एक संत ने धर्म, समाज, अध्यात्म और मानवीय चेतना को सबसे अधिक झकझोरा, तो वह नाम है-संत कबीर। वे केवल एक कवि, संत या समाज-सुधारक नहीं थे, बल्कि भारतीय आत्मा की उस जागृत चेतना के प्रतीक थे, जिसने मनुष्य को मनुष्य के रूप में देखने की दृष्टि दी। कबीर भारतीय अध्यात्म के ऐसे महासूर्य हैं, जिनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक, प्रेरक और क्रांतिकारी है, जितनी छह सौ वर्ष पूर्व थी। आज जब संसार हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, सामाजिक विभाजन, उपभोक्तावाद, मानसिक तनाव और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब कबीर की वाणी मानवता के लिए आशा की किरण बनकर सामने आती है। कबीर का समूचा चिंतन मनुष्य को स्वयं से जोड़ने, समाज को समरस बनाने और धर्म को आडंबरों से मुक्त कर उसके मूल स्वरूप तक पहुंचाने का प्रयत्न है।

कबीर का अवतरण ऐसे समय में हुआ, जब भारतीय समाज अनेक प्रकार की रूढ़ियों, कर्मकांडों, जातीय विभाजनों और धार्मिक पाखंडों में उलझा हुआ था। एक ओर मुस्लिम शासकों की धर्मांधता थी, दूसरी ओर हिंदू समाज कर्मकांड और बाह्याचार के बोझ तले दबा हुआ था। धर्म का वास्तविक स्वरूप कहीं खो गया था। ऐसे संक्रमणकाल में कबीर ने निर्भीक स्वर में उद्घोष किया- ह्यपोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय ह्ल कबीर ने स्पष्ट किया कि धर्म का सार ज्ञान, प्रेम, करुणा और आत्मानुभूति में है, न कि बाहरी कर्मकांडों में। उन्होंने मंदिर और मस्जिद दोनों की सीमाओं को पार करते हुए मनुष्य के भीतर स्थित परमात्मा की खोज का संदेश दिया। कबीर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अनुभव के संत थे। उन्होंने स्वयं कहा- ह्यमैं कहता आंखन की देखी, तू कहता कागद की लेखी ह्ल उनकी वाणी किसी ग्रंथ, शास्त्र या परंपरा की दास नहीं थी। उन्होंने जो कहा, अपने अनुभव के आधार पर कहा। यही कारण है कि उनकी वाणी में अद्भुत प्रामाणिकता और जीवन-सत्य का तेज दिखाई देता है। कबीर निरंतर आत्म-परीक्षण के पक्षधर थे। उनका प्रसिद्ध दोहा-ह्लबुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय ह्ल आज के समय में भी उतना ही सार्थक है। वर्तमान समाज में दूसरों की आलोचना, निंदा और दोषारोपण की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। कबीर हमें आत्मनिरीक्षण और आत्मशोधन का मार्ग दिखाते हैं।

संत कबीर सर्वधर्म समभाव के सशक्त प्रवक्ता थे। उन्होंने हिंदू और मुसलमान दोनों समुदायों की संकीर्णताओं की आलोचना की, लेकिन किसी धर्म का विरोध नहीं किया। उनका विरोध केवल अंधविश्वास, पाखंड और कट्टरता से था। उन्होंने कहा-ह्लकंकर-पत्थर जोड़ि के मस्जिद लई बनाय। ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, बहरा हुआ खुदाय ह्ल और दूसरी ओर-ह्लपाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूं पहार। ताते तो चाकी भली, पीस खाय संसार ह्ल इन दोहों का उद्देश्य किसी धर्म विशेष की आलोचना नहीं, बल्कि मनुष्य को बाहरी आडंबरों से ऊपर उठाकर आंतरिक साधना की ओर ले जाना था। आज जब धार्मिक असहिष्णुता और सांप्रदायिक तनाव विश्व के अनेक देशों में संकट का कारण बने हुए हैं, तब कबीर का संदेश-ह्लअव्वल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत के सब बंदेह्ल मानवता के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

कबीर ने जाति-पांति की संकीर्णता को भारतीय समाज की बड़ी कमजोरी माना। उन्होंने सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा की स्थापना का प्रयत्न किया। उनका प्रसिद्ध दोहा-ह्लजाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान ह्ल आज भी सामाजिक समरसता का आधार बन सकता है। कबीर ने मनुष्य की पहचान उसके कर्म, ज्ञान और चरित्र से करने की बात कही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक ऊंचाई किसी जाति या वर्ग की बपौती नहीं है। एक सामान्य जुलाहा होकर भी वे भारतीय संत परंपरा के शिखर पुरुष बने। कबीर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिकता केवल जंगलों, आश्रमों और मठों तक सीमित नहीं है। उन्होंने गृहस्थ जीवन जीते हुए उच्चतम आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त कीं। उन्होंने संसार से पलायन नहीं किया, बल्कि संसार में रहकर सत्य, सादगी, श्रम, ईमानदारी और संतत्व को साधा। आज जब जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और भौतिकता बढ़ती जा रही है, तब कबीर का जीवन-संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि परिवार और समाज के बीच रहते हुए भी आध्यात्मिक जीवन जिया जा सकता है।

जेवर से उठेगी भारत की तकनीकी क्रांति

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

विश्व अर्थव्यवस्था तेजी से डिजिटल युग में प्रवेश कर चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), 5G, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT),रक्षा उपकरण, चिकित्सा तकनीक, ऑटोमोबाइल, अंतरिक्ष विज्ञान और स्मार्ट उपभोक्ता उत्पाद–इन सभी की बुनियाद इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पर टिकी है। ऐसे समय में यदि कोई देश इलेक्ट्रॉनिक्स के मूल घटकों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनता है, तो वह केवल औद्योगिक प्रगति ही नहीं करता, बल्कि आर्थिक, सामरिक और तकनीकी दृष्टि से भी वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर होता है। इसी परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के जेवर से आई एक बड़ी खबर भारत की औद्योगिक यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध हो सकती है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी,रेल तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतम बुद्ध नगर के यमुना सिटी (जेवर) में लगभग ?6,750 करोड़ की लागत वाली दो महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास किया।यह केवल दो उद्योगों की स्थापना नहीं,बल्कि भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।इस परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि अब तक लगभग ?40,000 करोड़ मूल्य के उन्नत मल्टी-लेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (ढउइ) विदेशों से आयात किए जाते थे।अब इनका निर्माण भारत में ही होगा।पीसीबी किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का हृदय माना जाता है। मोबाइल फोन, लैपटॉप,सर्वर,चिकित्सा उपकरण, रक्षा प्रणालियाँ,संचार नेटवर्क, इलेक्ट्रिक वाहन,औद्योगिक मशीनें तथा सेमीकंडक्टर आधारित लगभग हर आधुनिक उपकरण पीसीबी पर ही आधारित होता है। 20 से 22 परतों वाले अत्याधुनिक पीसीबी का निर्माण अत्यधिक तकनीकी दक्षता और उन्नत विनिर्माण क्षमता की माँग करता है। भारत का इस क्षेत्र में प्रवेश उसकी तकनीकी परिपक्वता का संकेत है।पिछले एक दशक में भारत ने मोबाइल फोन निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। कभी अधिकांश मोबाइल फोन आयात करने वाला भारत आज दुनिया के प्रमुख मोबाइल विनिर्माण देशों में शामिल है।अब सरकार का लक्ष्य केवल अंतिम उत्पाद तैयार करना नहीं, बल्कि उसके मूलभूत और उच्च मूल्य वाले घटकों का भी स्वदेशी उत्पादन सुनिश्चित करना है। यही कारण है कि पीसीबी निर्माण को रणनीतिक प्राथमिकता दी जा रही है।इस पहल का सबसे बड़ा लाभ विदेशी मुद्रा की बचत के रूप में सामने आएगा।

हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये मूल्य के पीसीबी आयात करने पड़ते थे।अब यह धन देश के भीतर निवेश,उत्पादन और रोजगार सृजन में लगेगा। .साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग की आपूर्ति श्रृंखला अधिक सुरक्षित और मजबूत बनेगी।वैश्विक स्तर पर महामारी,भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी घटकों के मामले में अत्यधिक आयात निर्भरता दीर्घकाल में जोखिमपूर्ण होती है।जेवर में विकसित हो रहा 206 एकड़ का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।लगभग ?417 करोड़ की लागत से विकसित हो रही इस परियोजना में केंद्र सरकार भी महत्वपूर्ण वित्तीय सहयोग दे रही है।

चंदा चोरी में क्यों उठ रही हैं न्यास से जुड़े सरकारी नुमांइदों पर उंगली

अजय कुमार

प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में प्रभु रामलला मंदिर न्यास के भीतर जो चंदा सम्बंधी अनियमितता और चोरी का मामला सामने आया, वह न केवल धन के लेन-देन की सवालिया निशानियों को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि न्यास और सरकारी पदों के बीच किस तरह का गहन घालमेल होता है। दरअसल, राम लला के मंदिर में चंदा चोरी के पीछे विश्वासघात दो पक्ष दिखाई दे रहे हैं, एक, जो सार्वजनिक विश्वास का स्वामी है, और दूसरा, जो उसी विश्वास का रखवाला बनकर उसमें हेरफेर करता है। यह मामला उसी द्वंद्व का मानवीय और प्रशासकीय चित्र है। प्रभु राम लला के मंदिर में चंदा चोरी का मामला तब जनता के समक्ष आया जब मद्दे नजर चंदा खाते के असामान्य रिकार्ड, निकासी और लेन-देन की रिपोर्टें आईं। सूचनाओं के आधार पर एक विशेष जांच दल ने प्रारंभिक जाँच की और कुछ लोगों के खिलाफ गिरफ़्तारी भी हुई। पर आश्चर्य यह है कि न्यास का गठन और उसमें पदेन शामिल सरकारी अनुशासन पर किसी भी प्रकार की पूछताछ की आवाज सुनी नहीं गयी। यही वह बिंदु है जहाँ आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ और प्रश्न उभरे कि क्या किसी अमुक अधिकारी ने अपनी पदेन उपस्थिति का दायित्व पूरी तरह निभाया या नहीं।गौरतलब है, राम लला मंदिर न्यास में धार्मिक, सामाजिक और सरकारी प्रतिनिधि साथ मिलकर कार्य करते हैं। कई बार जिलाधिकारी, पुलिस प्रमुख, कर विभाग या स्थानीय शासकीय अधिकारी न्यास के आचार-नियमों के अनुसार पदेन सदस्य होते हैं। यह व्यवस्था इसलिए होती है ताकि मंदिर-सम्बन्धी संपत्ति और सार्वजनिक व्यवस्था में सरकारी निगरानी बनी रहे। पर जब उसी व्यवस्था के माध्यम से चंदे की हेराफेरी हो, तो सवाल उठते हैं कि पदेन सदस्य किस हद तक अपनी जवाबदेही निभा रहे थे। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो समय-समय पर कई आईएएस और अन्य अधिकारी न्यास के साथ जुड़े रहे हैं। जिलाधिकारी की उपस्थिति स्वाभाविक रही है क्योंकि जिलाधिकारी का कर्तव्य स्थानीय शांति-व्यवस्था और सरकारी नियमों का संरक्षण करना है। जिलाधिकारी के अलावा पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी, तथा कर और राजस्व सम्वंधी अधिकारी भी न्यास की बैठकों में अक्सर शामिल होते रहे हैं। कुछ नाम सार्वजनिक अभिलेखों और सूचनाओं में दिखते हैं, पर इन्हें यहाँ सीधे आरोपी नहीं दशार्या जा सकता। यही कारण है कि अब तक आधिकारिक बयान और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है कि किन-किन अधिकारियों का वक्तव्य रिकॉर्ड हुआ और किस स्तर की जवाबदेही तय की जायेगी। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सरकारी अधिकारी जब पदेन सदस्य के रूप में किसी न्यास से जुड़े होते हैं तो उनका कर्तव्य स्पष्ट होता है, पारदर्शिता सुनिश्चित करना, लेखा-जोखा का लेखा परीक्षण करवाना और सभी कानूनी नियमों का पालन कराना। यदि इन कर्तव्यों में कोई चूक हुई हो, तो साधारण लोक मान्यताओं के अनुसार उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। पर व्यवहार में प्रशासनिक अनुशासन के नियम, विभागीय जांच और सेवा नियमों की प्रक्रियाएँ कठिन और धीमी हो सकती हैं, इसलिए जनता में असंतोष उभरता है कि तुरंत किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। ध्यान देने वाली बात यह है कि वित्तीय अनियमितता अक्सर कुशलता से गुप्त रखी जाती है। चंदे के बहाव को पतला करने के लिए कई माध्यम अपनाये जा सकते हैं अलग-अलग खातों में विभाजन, औपचारिक दस्तावेजों में छेड़छाड़, और लेखा-जोखा में देरी यह सब भ्रष्टाचार के हथकंडे हैं। जब जांच दल ने गहन जाँच की तो कहीं-कहीं उन प्रक्रियाओं के निशान मिले जो बतलाते हैं कि लंबे समय से व्यवधान की गुंजाइश मौजूद थी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पदेन सरकारी निगरानी उपस्थिति सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई थी, या क्या किसी पदाधिकारी ने जानबूझकर दृष्टि अंधी की।नागरिकों का भरोसा धार्मिक संस्थाओं पर तभी बना रहता है जब प्रशासनिक तथा धार्मिक नेतृत्व दोनों पारदर्शी और जवाबदेह हों। आज जब चंदे की चोरी जैसे आरोप सामने आते हैं, तो सिर्फ पकड़ या गिरफ़्तारी ही समाधान नहीं है। एक ठोस लेखा-जोखा प्रणाली, नियमित बाह्य लेखा-निरीक्षण, और न्यास के कामकाज में नागरिकों की निगरानी जैसी व्यवस्थाएँ लागू होनी चाहिएं। साथ ही, पदेन जुड़े सरकारी अधिकारियों की भूमिका पर स्पष्ट दिशानिर्देश और समय-समय पर उनकी जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया भी आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना को रोका जा सके।इस पूरे घटनाक्रम में स्थानीय लोकनेता और समाज-सेवी भी सक्रिय हुए हैं। उन्होंने मांग की है कि जिन अधिकारियों ने न्यास की देखरेख में खामी की, उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही, जनता जानना चाहती है कि वर्तमान समय में किन-किन सरकारी अधिकारियों का नाम न्यास से जुड़ा हुआ दर्ज है। यह जानकारी आम तौर पर न्यास के दायर दस्तावेजों, सरकारी आदेशों और स्तरवार बैठकों के अभिलेखों में मिलती है। पर प्रशासनिक जवाबदेही और गोपनीयता के कारण हर विवरण सार्वजनिक नहीं किया जाता। इसलिए नागरिक संगठन और कुछ पत्रकार इन अभिलेखों की माँग कर रहे हैं ताकि पारदर्शिता लाई जा सके। यदि हम सामर्थ्य से देखें, तो अभी जो कदम उठने चाहिए वे स्पष्ट हैं: जांच का परिधि बढ़ाना, लेखा-जोखा का सार्वजनिक करना, और पदेन जुड़े सरकारी अधिकारियों की सक्रिय जाँच। इसके साथ ही, संबंधित विभागों को निर्देश मिलने चाहिए कि भविष्य में न्यास के वित्तीय लेन-देन पर नियमित अंतराल पर निगरानी रखी जाये। स्थानीय प्रशासन को भी यह बताना होगा कि जिलाधिकारी और अन्य पदेन सदस्य किस तरह से अपनी निगरानी का लेखा-जोखा रखते हैं, क्या वे नियमित रिपोर्ट लेते हैं, क्या बाह्य लेखा-निदेशक के आदेश लागू होते हैं, और क्या समय-समय पर लेखा परीक्षण कराया जाता है।

देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते है, केंद्रीय शिक्षामंत्री

नरेंद्र तिवारी

भारत जैसे प्रजातंत्रिक देश में जवाबदेही का महत्वपूर्ण स्थान हैं। लोक सेवक जनता कि सेवा के लिए होता हैं, उसके नैतृत्व में संबंधित विभाग द्वारा किये गए अच्छे कार्य स्वयं एवं सरकार कि वाहवाही एवं सराहना का कारण बनते हैं। इसके उलट लोक सेवक के नैतृत्व में कि जाने वाली विभागीय गलतियां, त्रुटियां स्वयं एवं सरकार कि आलोचना का कारण बनती हैं। नीट परीक्षा पेपर लिक के बाद से देश में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कि जा रही हैं। नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लिक के बाद उत्पन्न अत्यधिक मानसिक तनाव, हताशा के कारण देश भर में 12 से 16 के करीब छात्रों द्वारा खुदकुशी करने कि खबर सामने आई हैं। प्रजातंत्र में जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व होना चाहिए। कोई इससे बच नहीं सकता हैं। एक स्कुल का प्राचार्य परीक्षा परिणाम बिगड़ने पर उत्तरदायी माना जाता हैं, जबकि प्राचार्य स्कुल का प्रबंधक होता हैं, उस पर शिक्षकीय दायित्व कम ही होता हैं, किंतु संस्था प्रमुख होने के कारण जिम्मेदारी प्राचार्य कि मानी जाती हैं।

इस प्रकार भारत सरकार के शिक्षामंत्री पर भी सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही का सिद्धांत लागू होता हैं। इसी जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत को पालन करवाए जाने कि मांग को लेकर नवनिर्मित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले पहले तो देश के बड़े शहरों में फिर देश कि राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा हैं। इन प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस विषय पर देश भर में आंदोलन चला रखा हैं।केंद्र सरकार इस विषय पर खामोश नजर आ रही हैं। इस प्रकार आंदोलनकारियों कि अनदेखी करना देश कि वर्तमान सरकार कि आदत में शुमार हो गया हैं। सरकार को देश के भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण शिक्षा मंत्री का पद पर बने रहना उचित लग रहा हैं। देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल किये जा रहे हैं। सरकार कि और से इसका जवाब कोई देने को तैयार नहीं हैं। 3 मई को आयोजित परीक्षा को पेपर लीक होने के बाद रद्द किया गया। इसके बाद 21 जून को री-नीट परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा के बाद टीवी चैनल को दिए अपने साक्षात्कार में देश केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने री-नीट के सफल आयोजन को उपलब्धि मानते हुए उन्होंने इसे पारदर्शी और लिक प्रूफ माना। उन्होंने री-नीट के सफल आयोजन के लिए सहयोगी एवं सरकार कि खुले मन से तारीफ कि इसी साक्षात्कार में उन्होंने राहुल गांधी पर देश के छात्रों को गुमराह करने का आरोप और काकरोच जनता पार्टी को उन्होंने देश को बाटने वाली इ टीम बताते हुए कहा जो देश के टुकड़े करना चाहते हैं वह जंतर-मंतर पर डपली बजा रहे हैं। देश इसकी समीक्षा कर रहा हैं।

देश के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नीट पेपर लिक के बाद दिए अपने साक्षात्कार में जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन को राष्ट्रविरोधी बताना उचित नहीं हैं। अपने विचार से विपरीत विचार को देश के टुकड़े करने वाला, राष्ट्र विरोधी विचार बताना एक फैशन हो गया हैं। प्रधान ने उसी फैशनेबल भाषा का उपयोग किया। जबकि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहरा रहा हैं। राष्ट्र भक्ति और राष्ट्रीयता से जुड़े गीतों से युवा लबरेज दिखाई दे रहे हैं।

आस्था, कानून और अफवाहों के बीच संवाद की जीत जरूरी

बिशन पपोला

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग ज़िले के नगरासू स्थित गुरुद्वारा लंगर दमदमा साहिब में उत्पन्न विवाद ने एक बार फिर यह याद दिलाया है कि धार्मिक आस्था से जुड़े किसी भी मामले में संवेदनशीलता, संयम और संवाद कितने महत्वपूर्ण होते हैं। पिछले कुछ दिनों से गुरुद्वारे की छत पर कुछ निहंग सिखों के डटे रहने, प्रशासन के साथ उनकी बातचीत और इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर फैली विभिन्न प्रकार की सूचनाओं ने इस मामले को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है। हालांकि प्रशासन लगातार यह स्पष्ट कर रहा है कि न तो किसी प्रकार का गुरुद्वारे पर कब्जा हुआ है और न ही किसी को बंधक बनाया गया है, फिर भी यह घटना कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करती है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या में पंजाब और अन्य राज्यों से आने वाले सिख श्रद्धालु भी शामिल होते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार का विवाद केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव व्यापक सामाजिक और धार्मिक संबंधों पर भी पड़ सकता है।

रुद्रप्रयाग की घटना को यदि उसके मूल संदर्भ में देखा जाए तो प्रशासन का कहना है कि यह विवाद गुरुद्वारा प्रबंधन और कुछ निहंग श्रद्धालुओं के बीच उत्पन्न हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लंगर और प्रबंधन से जुड़े किसी मुद्दे पर मतभेद पैदा हुआ, जिसके बाद कुछ लोग गुरुद्वारे की ऊपरी मंजिल और छत पर चले गए। बाद में बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और धीरे-धीरे कुछ लोग नीचे भी उतर आए। यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि प्रशासन और गुरुद्वारा प्रबंधन लगातार वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पहलू भी है, जो शायद अधिक चिंताजनक है। वह है अफवाहों और अधूरी सूचनाओं का प्रसार। सोशल मीडिया के दौर में किसी भी घटना का वास्तविक स्वरूप सामने आने से पहले ही अनेक प्रकार के दावे और प्रतिदावे प्रसारित होने लगते हैं। रुद्रप्रयाग के मामले में भी यही देखने को मिला। कहीं इसे गुरुद्वारे पर कब्जे का मामला बताया गया, कहीं बंधक बनाए जाने की बात कही गई, तो कहीं इसे सीधे कर्णप्रयाग में हुए पूर्व विवाद से जोड़ दिया गया। प्रशासन को सार्वजनिक रूप से यह कहना पड़ा कि कई दावे तथ्यों पर आधारित नहीं हैं और स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जा रहा है।

दरअसल, आज के समय में किसी भी संवेदनशील घटना का सबसे बड़ा खतरा केवल वास्तविक विवाद नहीं होता, बल्कि उसके बारे में निर्मित धारणा होती है। जब लोग बिना सत्यापन के सूचनाएं साझा करते हैं, तब स्थानीय विवाद भी सामुदायिक तनाव का रूप ले सकता है। यही कारण है कि जिम्मेदार संवाद और तथ्य आधारित रिपोर्टिंग पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

इस घटना को 16 जून को कर्णप्रयाग में हुई झड़प के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। वहां पार्किंग को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक रूप ले बैठा था और दोनों पक्षों के लोग घायल हुए थे। बाद में कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई। इसके बाद विभिन्न राजनीतिक और धार्मिक संगठनों की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। स्वाभाविक रूप से उस घटना की स्मृति अभी ताजा थी, इसलिए रुद्रप्रयाग में उत्पन्न नए विवाद को भी उसी परिप्रेक्ष्य में देखने की कोशिश की गई। यही वह बिंदु है जहां प्रशासनिक सतर्कता और राजनीतिक परिपक्वता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

सकारात्मक पक्ष यह है कि इस मामले में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के स्तर पर संवाद हुआ। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक स्वस्थ परंपरा है कि संवेदनशील मामलों में संवाद को प्राथमिकता दी जाए। जब राजनीतिक नेतृत्व निष्पक्ष जांच और शांतिपूर्ण समाधान की बात करता है, तब समाज में भी संयम का संदेश जाता है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब भावनाएं आसानी से भड़क सकती हैं, तब नेतृत्व की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

इस पूरे घटनाक्रम से एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि धार्मिक स्थलों के प्रबंधन और अनुशासन का। भारत में गुरुद्वारे, मंदिर, मस्जिद और अन्य धार्मिक स्थल केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं हैं, बल्कि सामाजिक जीवन के भी महत्वपूर्ण संस्थान हैं। यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और सुविधा मिलनी चाहिए, लेकिन साथ ही संस्थागत व्यवस्था और अनुशासन का पालन भी आवश्यक है। यदि किसी बात पर मतभेद हो तो उसका समाधान संवाद और नियमों के माध्यम से होना चाहिए, न कि टकराव के रास्ते से।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि गुरुद्वारा प्रबंधन और प्रशासन दोनों ने बार-बार बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की कोशिश की है। यही किसी भी लोकतांत्रिक समाज की सबसे बड़ी शक्ति होती है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि विवाद इस स्तर तक न पहुंचे जहां बल प्रयोग की आवश्यकता महसूस हो। अब तक की स्थिति यह संकेत देती है कि प्रशासन संयम बरतते हुए वार्ता को प्राथमिकता दे रहा है, जो एक स्वागतयोग्य दृष्टिकोण है।उत्तराखंड और सिख समुदाय के संबंधों का इतिहास भी अत्यंत सकारात्मक रहा है। हेमकुंड साहिब केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था और समर्पण का प्रतीक है। दशकों से लाखों श्रद्धालु उत्तराखंड आते रहे हैं और स्थानीय समाज ने उनका स्वागत किया है। इसी प्रकार सिख परंपरा ने भी उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध किया है। इसलिए किसी एक घटना के आधार पर व्यापक सामाजिक संबंधों को देखने की भूल नहीं की जानी चाहिए।

वास्तव में यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का है। क्या हमारी सामाजिक संरचना इतनी मजबूत है कि किसी स्थानीय विवाद को व्यापक सामुदायिक संघर्ष में बदलने से रोक सके? क्या हम सोशल मीडिया पर प्राप्त हर सूचना को सत्य मानने से पहले उसकी जांच करते हैं? क्या राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व लोगों को शांत रहने का संदेश देने में पर्याप्त सक्रिय है? ये प्रश्न केवल रुद्रप्रयाग की घटना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रासंगिक हैं।

देवभूमि उत्तराखंड की पहचान सद्भाव, आध्यात्मिकता और अतिथि-सत्कार की रही है। वहीं सिख परंपरा सेवा, साहस और मानवता के मूल्यों की प्रतिनिधि है। इन दोनों परंपराओं के बीच टकराव की नहीं, बल्कि सहयोग और सम्मान की लंबी विरासत मौजूद है। इसलिए किसी भी विवाद का समाधान इसी ऐतिहासिक विश्वास और पारस्परिक सम्मान के आधार पर खोजा जाना चाहिए।

अंततः इस पूरे प्रकरण से सबसे बड़ा संदेश यही निकलता है कि संवाद ही समाधान का मार्ग है। कानून अपना काम करे, जांच निष्पक्ष हो, दोषी जो भी हो उसके खिलाफ कार्रवाई हो, लेकिन साथ ही समाज को अफवाहों और उकसावे से बचाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। चारधाम और हेमकुंड साहिब जैसी यात्राएं केवल धार्मिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि भारत की विविधता में एकता की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। इनकी गरिमा बनाए रखना प्रशासन, धार्मिक संस्थाओं, राजनीतिक नेतृत्व और आम नागरिक, सभी की साझा जिम्मेदारी है।

राम मंदिर दान विवाद : आस्था की पवित्रता और जवाबदेही की कसौटी पर खड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न

अजेश कुमार

अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण केवल एक स्थापत्य उपलब्धि नहीं है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक भी है। वर्षों के संघर्ष, न्यायिक प्रक्रिया और जनभावनाओं के लंबे इतिहास के बाद निर्मित यह मंदिर आज देश की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बन चुका है। ऐसे में यदि मंदिर के चढ़ावे, दान या निर्माण कार्यों से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो यह केवल प्रशासनिक या कानूनी मामला नहीं रह जाता, बल्कि सीधे तौर पर जनविश्वास और धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

राम मंदिर दान विवाद की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के बाद स्वाभाविक रूप से इस मामले को लेकर नई चचाओं का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री की ओर से गठित तीन सदस्यीय विशेष जांच दल ने अयोध्या में कई दिनों तक रहकर व्यापक स्तर पर पूछताछ की, दस्तावेजों का परीक्षण किया और विभिन्न पक्षों से जानकारी एकत्र की। अब जबकि प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार के पास पहुंच चुकी है, पूरे देश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच के निष्कर्ष क्या संकेत देते हैं और आगे की कार्रवाई किस दिशा में बढ़ती है।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि जांच की मांग स्वयं मंदिर ट्रस्ट की ओर से की गई थी। यह तथ्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी संस्था की विश्वसनीयता केवल उसके कार्यों से नहीं, बल्कि आरोपों के प्रति उसके रवैये से भी निर्धारित होती है। जब किसी संस्था पर सवाल उठते हैं और वह स्वयं निष्पक्ष जांच की मांग करती है, तो यह पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का संकेत माना जाता है। यही कारण है कि इस मामले को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने के बजाय संस्थागत सुधार और प्रशासनिक पारदर्शिता के संदर्भ में समझना अधिक आवश्यक है।

भारत में धार्मिक संस्थाओं के प्रति लोगों की आस्था केवल आध्यात्मिक नहीं होती, बल्कि उसमें भावनात्मक और आर्थिक सहभागिता भी शामिल होती है। करोड़ों श्रद्धालु मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों में दान देते हैं। वे यह मानकर योगदान करते हैं कि उनका अर्पण धार्मिक, सामाजिक और लोककल्याणकारी कार्यों में उपयोग होगा।

इसलिए यदि कहीं दान राशि के दुरुपयोग, गबन या हेरफेर की आशंका पैदा होती है, तो उसका प्रभाव केवल संबंधित संस्था तक सीमित नहीं रहता। इससे व्यापक स्तर पर लोगों के विश्वास को चोट पहुंच सकती है।

राम मंदिर के संदर्भ में यह संवेदनशीलता और भी अधिक है क्योंकि यह देश के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और दान के रूप में बड़ी मात्रा में नकदी, स्वर्ण, रजत तथा अन्य मूल्यवान वस्तुएं चढ़ाई जा रही हैं। इतनी विशाल व्यवस्था के संचालन के लिए मजबूत वित्तीय निगरानी, पारदर्शी लेखा प्रणाली और प्रभावी आंतरिक नियंत्रण तंत्र की आवश्यकता स्वाभाविक है। यदि कहीं कोई कमजोरी रह जाती है, तो वह भविष्य में बड़े विवाद का कारण बन सकती है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जांच की शुरूआत केवल चढ़ावे की रकम में कथित हेरफेर के आरोपों से हुई थी। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, वैसे-वैसे नए आरोप और नई आशंकाएं भी सामने आने लगीं। दान में मिली धातुओं के उपयोग, मंदिर निर्माण से जुड़े वित्तीय लेनदेन और कथित कमीशनखोरी जैसे मुद्दों की चर्चा भी होने लगी। हालांकि इनमें से किसी भी आरोप पर अभी अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है, लेकिन यह स्थिति यह अवश्य दर्शाती है कि धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय प्रबंधन को लेकर अधिक मजबूत व्यवस्था की आवश्यकता है।

इस मामले का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भी है।

भविष्य का शहर होगा हाथरस अर्बन सेंटर

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के एक और जिले के कई गांवों को हाईटेक शहर बनाने की तैयारी कर रही है। यह जल्द ही इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के साथ लाखों रोजगार पैदा करने वाला डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की गति को और तेज करते हुए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने एक बेहद महत्वाकांक्षी ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। यमुना एक्सप्रेसवे के फेज-2 विकास के तहत 'महायोजना/मास्टर प्लान 2041' के अंतर्गत 'हाथरस अर्बन सेंटर' को एक हाई-टेक, औद्योगिक और आवासीय सैटेलाइट टाउन के रूप में डिजाइन किया जा रहा है।

यीडा द्वारा विकसित किए जा रहे चार मुख्य अर्बन नोड्स (अलीगढ़, मथुरा, आगरा और हाथरस) में से हाथरस को विशेष तौर पर एक प्रमुख इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में चुना गया है।

इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए हाथरस और सासनी तहसील के कुल 50 से अधिक गांवों को अधिसूचित किया गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 4 हजार हेक्टेयर (करीब 10 हजार एकड़) होगा। इस अत्याधुनिक शहर के नियोजन के लिए कंसल्टेंट कंपनी 'आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स लिमिटेड' को नियुक्त किया गया है, जो जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) तकनीक पर आधारित नक्शे से इसका सुनियोजित विकास सुनिश्चित कर रही है।

मास्टर प्लान 2041 के तहत इस अर्बन सेंटर को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। पहला औद्योगिक जोन, इस विशाल भूभाग का मुख्य ध्यान फैक्ट्रियों और भारी विनिर्माण इकाइयों पर केंद्रित होगा। दूसरा आवासीय क्षेत्र, यहां काम करने वाले लोगों के लिए आधुनिक सोसाइटी, फ्लैट्स और किफायती आवास विकसित किए जाएंगे।

तीसरा कमर्शियल और लॉजिस्टिक्स हब जो व्यापारिक गतिविधियों के लिए मॉल, कमर्शियल टावर, होटल्स और विशाल वेयरहाउस के लिए विशेष स्थान आरक्षित हैं। चौथा ग्रीन बेल्ट, जहां पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए कुल योजना क्षेत्र का 15 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पूरी तहत हरित और खुले क्षेत्र के रूप में संरक्षित रहेगा।

प्रस्तावित हाथरस अर्बन सेंटर की भौगोलिक स्थिति इसकी सबसे बड़ी ताकत है। यह नया शहर सीधे नोएडा (जेवर) अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के कैचमेंट एरिया में आता है, जिसके लिए यीडा एक एक्सप्रेस-रोड नेटवर्क विकसित कर रहा है। इसके साथ ही यह क्षेत्र यमुना एक्सप्रेसवे के काफी करीब है और नेशनल हाईवे-93 (आगरा-अलीगढ़), बरेली-मथुरा हाईवे तथा स्टेट हाईवे-33 से बेहतर रूप से जुड़ा हुआ है। इसे आगरा के एक 'सैटेलाइट टाउन' के रूप में देखा जा रहा है, जिससे ताजनगरी का औद्योगिक दबाव भी कम होगा।

हाथरस में वर्तमान में सक्रिय 10 हजार से अधिक पंजीकृत एमएसएमई इकाइयों को इस सेंटर में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान किया जाएगा। एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओडी) के तहत हाथरस की विश्वप्रसिद्ध हींग और गुलाल उद्योग को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पैकेजिंग और एक्सपोर्ट हब की सुविधाएं मिलेंगी। वहीं कृषि और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को भी फायदा होगा, जिसके तहत ब्रज क्षेत्र की कृषि प्रधानता को देखते हुए यहां बड़े कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी प्लांट्स को प्राथमिकता दी जाएगी।

साथ ही रेडीमेड गारमेंट्स (होजरी), ग्लास बीड्स (कांच के मोती), पीतल के आभूषण (पायल), मशीन टूल्स और इलेक्ट्रिक वाहनों के कलपुर्जों के लिए विशेष ब्लॉक बनाए जाएंगे। अगले चरण में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे मेडिकल-सर्जिकल उपकरण और पावर ग्रिड मशीनरी बनाने वाली वैश्विक कंपनियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

यमुना औद्योगिक एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि इस महायोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से शुरू कर दी गई है। इस परियोजना के धरातल पर उतरने से न केवल क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए लाखों की संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रतिष्ठा विदेशों में बढ़ी : रामदास आठवले

वाराणसी।
केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने रविवार शाम को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। इससे विभिन्न देशों के साथ हुए महत्वपूर्ण समझौतों से देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। केन्द्रीय मंत्री रविवार शाम यहां सर्किट हाउस में मीडिया कर्मियों से मुखातिब थे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित पत्रकार वार्ता में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में विकास एवं जनकल्याण से जुड़ी अनेक ऐतिहासिक योजनाओं को लागू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए हम सभी कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रभावी नेतृत्व और दृढ़ निश्चय के परिणामस्वरूप वर्ष 2014 के बाद 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। केन्द्रीय सरकार के उपलब्धियों को विस्तार से गिनाते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे देश में 04 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए हैं तथा 60 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिला है। पिछले 12 वर्षों में सामाजिक सुरक्षा का दायरा तीन गुना से अधिक बढ़ा है तथा 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण से 05 लाख से अधिक गांव खुले में शौच से मुक्त हुए हैं। केन्द्रीय मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत देशभर में 58 करोड़ 30 लाख से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में 10 करोड़ 35 लाख से अधिक खाते खोले गए हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत देशभर में 58 करोड़ 31 लाख से अधिक लाभार्थियों को 39,68,559.19 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है। उत्तर प्रदेश में वित्त वर्ष 2015 से 2026 तक 5 करोड़ 91 लाख 34 हजार लाभार्थियों को 3,99,128.76 करोड़ रुपये के ऋण उपलब्ध कराए गए हैं।

तीन वर्षीय श्री विश्वकर्मा ने 14 मिनट में तैरकर पार किया विशाल यमुना नदी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवजीवन तैराकी क्लब के तत्वाधान में तैराकी प्रशिक्षण यमुना नदी में प्रशिक्षित तैराकों द्वारा दिया जा रहा है। शिविर में शहर के कीडगंज निवासी तीन वर्षीय श्रीविश्वकर्मा ने 14 मिनट 32 सेकंड में विशाल यमुना नदी को ब्रेस्ट स्ट्रोक से तैरकर पार किया और आश्चर्यजनक उपलब्धि हासिल की।

बतौर मुख्य अतिथि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की उपस्थिति में श्री विश्वकर्मा पुत्री परमेंद्र विश्वकर्मा माता रश्मि विश्वकर्मा अपने प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद के साथ मीरपुर सिंधु सागर घाट (बरगद घाट) लेटे हुए हनुमान जी व शंकर जी का दर्शन करने के उपरांत तैरना शुरू किया। 500 मीटर की दूरी कुल 14 मिनट 32 सेकंड में विशाल यमुना नदी को ब्रेस्ट स्ट्रोक से तैरकर उपस्थित जन समूह को आश्चर्यचकित कर दिया। जिस समय श्री विश्वकर्मा यमुना नदी पर मछली की तरह अपने छोटे-छोटे हाथों से आगे बढ़ रही थी साथ लगी नाव पर चल रहे श्री की दादी अरुणा विश्वकर्मा, माता रश्मि, पिता परमेंद्र, मौसी निशा, मामा दीपक, बूआ शिल्पी, फूफा अमित, भाई आरव, बहन श्रीनिका विश्वकर्मा व दर्जनों नाव पर बैठे सैकड़ो दर्शक उसके तैरने की उपलब्धि देख रहे थे। यमुना नदी पार करने के उपरांत मां यमुना में अपने प्रशिक्षिका कमला निषाद, त्रिभुवन निषाद, मानस निषाद व परिवार के साथ पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। यमुना पार करते ही मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा ने नन्ही जलपरी श्री विश्वकर्मा को नकद पुरस्कार देकर पुरस्कृत भी किया देखते देखते पुरस्कार देने वालों की लाइन लग गई।

नोएडा में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, आक्रोशित परिजनों ने लगाया जाम

नोएडा।
नोएडा के थाना जारचा क्षेत्र में सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस ने उन्हें समझा बुझाकर वापस भेजा।

पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि 29 जून को थाना जारचा पुलिस को सूचना मिली कि सिकंदराबाद बॉर्डर के पास एक ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार प्रदीप राठी पुत्र भगवत सिंह निवासी ग्राम भगवत जनपद बुलंदशहर उम्र 30 वर्ष को टक्कर मार दिया है। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों ने इस घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त किया।

वे लोग सड़क पर इकट्ठे हो गए थे। उन्होंने जाम लगा दिया था। पुलिस ने उन्हें समझा बूझाकर वापस भेजा है।

विजन इंडिया में शामिल सपा मुखिया ने उठाए सवाल, शिक्षा और नौजवानों के हित पर की बात

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोमवार को विजन इंडिया कार्यक्रम में शामिल हुए। विजन इंडिया कार्यक्रम में शिक्षा परीक्षा क्यों ध्वस्त हुई व्यवस्था विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा बुनियाद है, जब किसी देश की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली ध्वस्त हो जाती है तो युवाओं का भविष्य बर्बाद हो जाता है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे। सेक्टर प्रभारी भाई लाल यादव, पप्पू यादव कंजिया, असीम यादव, पटेल नगर झूसी, अमरेंद्र सिंह, धीरेंद्र, दरोगा सुनील उर्फ नन्हे, प्रांशु समेत अन्य कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

घूरपुर पुलिस ने 24 घंटे में किया चोरी का खुलासा

2 चोर गिरफ्तार, ट्रक के 2 टायर और बिना नंबर की कार बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। घूरपुर थाने की पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग का 24 घण्टे के अन्दर खुलासा करने का दावा करते हुए दो वांक्षित अभियुक्त गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इनके कब्जे से चोरी गया ट्रक के दो टायर, चोरी करने के उपकरण व चोरी की घटना में प्रयुक्त जाईलो कार बिना नम्बर की बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा थाने में धारा 303(2) बीएनएस की जांच में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में रोहित कुमार निवासी माण्डा,भरारी थाना माण्डा प्रयागराज, संगम लाल पटेल निवासी कुकडी थाना माण्डा प्रयागराज शामिल है। इन दोनों को मुखबिर की सूचना पर पुराना परेड ग्राउंड के मध्य बने चबूतरा के पास थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से चोरी गया ट्रक के दो टायर, चोरी करने के उपकरण व चोरी की घटना में प्रयुक्त जाईलो कार बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शानू जाफरी निवासी सेमरा कल्बना थाना घूरपुर ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था।घटना के अनावरण के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया।

वाराणसी में व्यावसायिक भवनों की जांच करेगा विकास प्राधिकरण

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने सोमवार का कहा कि वाराणसी में बीते कुछ वर्षों में बनी कामर्शियल बिल्डिंगों में बेसमेंट का उपयोग पार्किंग के अलावा अन्य कार्यों में हो रहा है। बेसमेंट को पार्किंग के रूप में दशार्या जाता है लेकिन उसका उपयोग दुकान खोलकर लाभ कमाने अथवा कर्मचारियों के आवास के अधिकारी अपने क्षेत्र में किस तरह के बेसमेंट की जांच कर उसकी सूची बनाएं। जिससे उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके।

विभिन्न जगहों पर मिला दो अज्ञात लोगों का शव

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सलारपुर कॉलोनी के पास आज सुबह के एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि आज सुबह को पुलिस को सूचना मिली कि सलारपुर गांव के पिलर नंबर 83-84 के पास एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है।

क्वांटम कंप्यूटिंग में दक्षता बढ़ाने के लिए पांच दिवसीय एफडीपी का आयोजन करेगा सीएसजेएमयू : प्रो. विनय कुमार पाठक

कानपुर।
क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में शिक्षकों, शोधार्थियों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को नवीनतम ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय 29 जून से चार जुलाई तक पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित करेगा। कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञ क्वांटम कंप्यूटिंग के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान देंगे और प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे। यह जानकारी रविवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति विनय कुमार पाठक ने दी।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का विषय 'क्वांटम कंप्यूटिंग के मूल सिद्धांत (सिद्धांत, एल्गोरिद्म एवं अनुप्रयोग)' रखा गया है। कार्यक्रम कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मुख्य संरक्षण में आयोजित होगा। इसके संरक्षक स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के निदेशक प्रो. आर.के. द्विवेदी तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा हैं। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजू दीक्षित और सह-समन्वयक डॉ. शिखा शुक्ला होंगी। इसमें देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञ क्वांटम कंप्यूटिंग एवं क्वांटम मैकेनिक्स का परिचय, क्यूबिट, ब्लॉक स्फीयर, क्वांटम गेट्स, क्वांटम एंटैंगलमेंट, बेल स्टेट्स, क्वांटम टेलीपोर्टेशन, क्वांटम एल्गोरिद्म तथा क्वांटम सूचना प्रसंस्करण जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी देंगे।

इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्रिप्टोग्राफी, दवा खोज (ड्रग डिस्कवरी) और मटेरियल साइंस में क्वांटम कंप्यूटिंग के उपयोग पर भी विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।

प्रतिभागियों को किस्किट एवं आईबीएम क्वांटम प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे आधुनिक क्वांटम तकनीकों का अनुभव प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में शिक्षक, वैज्ञानिक, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, शोधार्थी तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय द्वारा जारी पंजीकरण लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी भीषण आग, गृहस्थी का सामान जलकर खाक

उरई।
रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम पचोखरा में रविवार दोपहर बिजली के शॉर्ट सर्किट से एक मकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घर में रखा लाखों रुपये का गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों और दमकल विभाग की टीम की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पचोखरा निवासी मकबूल खान पुत्र जमाल खान के घर में रविवार दोपहर अचानक बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हो गया। चिंगारी निकलते ही घर में आग भड़क उठी और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मकान से धुआं और आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

घर की महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने बाल्टियों और अन्य साधनों से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसी बीच घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती तो आसपास के मकानों तक भी आग फैल सकती थी।

गृहस्वामी मकबूल खान ने बताया कि आग की चपेट में आने से घर में रखा फ्रिज, कूलर, कपड़े, अनाज, बिस्तर, फर्नीचर तथा अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने के बाद परिवार के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का भी संकट खड़ा हो गया है।

घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को तत्काल भेजा गया था।

शराब तस्कर को पकड़कर पुलिस ने भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज रामबाग से शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से सात लीटर नाजायज देशी शराब बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि रेलवे स्टेशन रामबाग प्रयागराज के सैलून साईड प्लेटफार्म नंबर तीन के किनारे स्वीट हाउस के पास से शराब तस्कर बच्चा भारतीया को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किया गया शराब तस्कर बच्चा भारतीय झूंसी के कटका का निवासी है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना में धारा 60 आबकारी अधिनियम का मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

मेट्रो का शेष सेक्शन सुरक्षा के सभी प्रमुख परीक्षणों में सफल रहा, शहर को जल्द मिलेगा पूरा कॉरिडोर : सुशील कुमार

कानपुर।
हाई स्पीड रन, सिग्नलिंग और इंटीग्रेटेड टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। शहर के सबसे व्यस्त मार्ग पर तैयार यह मेट्रो कॉरिडोर भविष्य में सुरक्षित, तेज और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करेगा। यह बातें रविवार को उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहीं।

कानपुर मेट्रो कॉरिडोर-1 के शेष सेक्शन कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) नीलाभ्र सेनगुप्ता और उनकी पांच सदस्यीय टीम का निरीक्षण दूसरे दिन भी जारी रहा। निरीक्षण के दौरान स्टेशन, ट्रैक, सिग्नलिंग प्रणाली और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की व्यापक जांच की गई।

अधिकांश महत्वपूर्ण परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे होने के साथ निरीक्षण प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है।

सीएमआरएस ने नवीन मार्केट स्टेशन से मेट्रो ट्रेन के जरिए निरीक्षण शुरू किया और नौबस्ता तक पहुंचे। इसके बाद मोटर ट्रॉली से नौबस्ता से कानपुर सेंट्रल तक अप लाइन का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान नौबस्ता, बौद्ध नगर, वसंत विहार, किदवई नगर, बारादेवी, ट्रांसपोर्ट नगर और झकरकटी स्टेशनों पर यात्री सुरक्षा, स्टेशन कंट्रोल रूम, फायर अलार्म सिस्टम, एस्केलेटर, लिफ्ट और अन्य सुविधाओं का परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान आईआईटी से नौबस्ता तक पूरे कॉरिडोर-1 की फाइनल इंटीग्रेटेड टेस्टिंग भी सफल रही। इसमें सिग्नलिंग, दूरसंचार, बिजली आपूर्ति, ट्रैक और ट्रेन संचालन से जुड़ी सभी प्रणालियों का संयुक्त परीक्षण किया गया।

सिग्नलिंग प्रणाली की जांच के तहत ऑटोमेटिक ट्रेन ऑपरेशन (एटीओ) और कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) प्रणाली का परीक्षण किया गया।

ऑपरेटिंग सिस्टम हाइपरओएस 4 शीघ्र होगा पेश

नई दिल्ली ।

चाइनीकी कंपनी शाओमी ने अपने अपकमिंग ऑपरेटिंग सिस्टम, हाइपरओएस 4 के जल्द लॉन्च होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, शाओमी ने अभी तक उन डिवाइस की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है जिन्हें यह अपडेट मिलेगा, लेकिन कई रिपोर्ट्स में शाओमी, रेडमी और पोको स्मार्टफोन व टैबलेट के नाम सामने आए हैं। एंड्रॉयड 17 पर आधारित यह नया ओएस बेहतर परफॉर्मेंस, नया इंटरफेस, एआई फीचर्स और मजबूत प्राइवेसी टूल्स के साथ आएगा, जिससे यूजर्स को एक बेहतरीन अनुभव मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक, हाइपरओएस 4 को सबसे पहले चीन में जुलाई से अगस्त 2026 के बीच पेश किया जाएगा, जिसके कुछ हफ्तों बाद इसके वैश्विक ऐलान की उम्मीद है। माना जा रहा है कि स्टेबल अपडेट से पहले शाओमी बीटा प्रोग्राम भी शुरू कर सकती है और शाओमी 17 सीरीज तथा रेडमी के90 सीरीज सबसे पहले बीटा अपडेट पाने वाले डिवाइस हो सकते हैं। यदि कंपनी अपने पुराने अपडेट शेड्यूल पर कायम रहती है, तो वैश्विक यूजर्स के लिए हाइपरओएस 4 की रोलआउट प्रक्रिया अक्टूबर 2026 के आसपास शुरू हो सकती है। मौजूदा सॉफ्टवेयर अपडेट पॉलिसी के आधार पर शाओमी 15 सीरीज, शाओमी 15 अल्ट्रा, शाओमी 14 सीरीज, रेडमी नोट 15 सीरीज, रेडमी नोट 14 प्रो सीरीज, पोको एफ7 सीरीज, पोको एक्स7 सीरीज और पोको एक्स6 प्रो जैसे कई डिवाइस को यह अपडेट मिलने की संभावना है। कुछ रेडमी टैबलेट और पोको डिवाइस को भी यह अपडेट मिलने की उम्मीद है। इस बार शाओमी का फोकस सिर्फ नए फीचर्स जोड़ने पर नहीं, बल्कि सिस्टम को ज्यादा हल्का और तेज बनाने पर भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी 'जीरो-लेगेसी' फ्रेमवर्क पर काम कर रही है, जिसका मकसद पुराने और गैर-जरूरी कोड को हटाकर सिस्टम की स्पीड और एफिशिएंसी बढ़ाना है। इसके अलावा, बेहतर प्राइवेसी कंट्रोल, एआई आधारित प्रोडक्टिविटी टूल्स, अलग-अलग डिवाइस के बीच बेहतर मल्टीटास्किंग और नया इंटरैक्टिव लॉक स्क्रीन अनुभव जैसे फीचर्स भी इसमें शामिल हो सकते हैं। कई कोर ऐप्स और सिस्टम फ्रेमवर्क को रस्ट और फ्लटर जैसी उन्नत तकनीकों की मदद से दोबारा तैयार किया जा रहा है, जिससे बेहतर मेमोरी मैनेजमेंट, स्मूद एनिमेशन और ज्यादा स्थिर अनुभव मिलने की उम्मीद है। हाइपरओएस 4 में शाओमी अपने लिक्विड ग्लास डिजाइन को और बेहतर बना सकती है, जिसमें नए एनिमेशन, ट्रांसपेरेंसी इफेक्ट्स और रिफाइंड यूजर इंटरफेस देखने को मिल सकते हैं।

जेप्टो का महा-दांव स्टैनफोर्ड ड्रॉपआउट्स से क्विक-कॉमर्स किंग तक का सफर

1- 8,010 करोड़ के नए शेयरों के साथ बाजार में दस्तक की तैयारी

बेंगलुरु ।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के दो युवा ड्रॉपआउट्स द्वारा स्थापित, क्विक-कॉमर्स दिग्गज जेप्टो, लगभग 8,010 करोड़ रुपये के नए शेयरों के साथ देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास हाल ही में जमा किए गए मसौदा दस्तावेजों में एक वेयरहाउस-सह-प्रयोगशाला की झलक मिलती है, जहां अत्याधुनिक तकनीक भारत के तेज-तर्रार डिलीवरी मॉडल के भविष्य को आकार दे रही है। बेंगलुरु के बाहर स्थित, पांच फुटबॉल मैदान के आकार का यह विशाल वेयरहाउस जेप्टो के संचालन का केंद्र है। यहां 23 वर्षीय सह-संस्थापक और अध्यक्ष (तकनीक और उत्पाद) कैवल्य वोहरा, बारकोड रीडर के साथ अरहर दाल के पैकेट स्कैन करते हुए दिखते हैं। उनके आसपास, रोबोट और इंसान सामंजस्य बिठाकर काम करते हैं - स्वचालित मशीनें आलू और प्याज की छंटाई करती हैं, जबकि आयातित उपकरण सेब के कुरकुरेपन और संतरों के चीनी अंश का परीक्षण करते हैं। 'पुट टु लाइट' स्टेशन पिकर्स को डिलीवरी ट्रकों तक आइटम ले जाने का निर्देश देते हैं, जो इस इकाई को एक लैब का रूप देते हैं जहां क्विक-कॉमर्स की गति निर्धारित होती है।

वोहरा ने आदित पलिचा के साथ मिलकर जेप्टो की स्थापना तब की थी जब वे दोनों किशोर थे। बचपन के दोस्तों ने 2021 में वैश्विक महामारी के दौरान कंपनी बनाने के लिए स्टैनफोर्ड का कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम छोड़ दिया और भारत लौट आए। उन्होंने सुविधा आधारित अर्थव्यवस्था पर दांव लगाया, जहां घंटों के बजाय मिनटों में किराना डिलीवरी की गुंजाइश थी। यह कंपनी दो मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रही है- देश के सबसे अधिक पूंजी-प्रधान उपभोक्ता दांवों में से एक में अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए विस्तार करना, और यह साबित करना कि 10 मिनट की डिलीवरी अंततः मुनाफे में बदल सकती है। मसौदा आवेदन से पता चलता है कि पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक, जेप्टो हर दिन लगभग 23.3 लाख ऑर्डर पूरे कर रही थी, जिससे उस तिमाही में लगभग 8,134 करोड़ रुपये का शुद्ध प्राप्त योग्य मूल्य (एनआरवी) सृजित हुआ।

आर्थिक आंकड़ों और मानसून पर रहेगी निवेशकों की नजर

वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे

मुंबई ।

पिछले सप्ताह की मामूली बढ़त के बाद, भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में कई घरेलू और वैश्विक कारकों से अपनी दिशा तय करेगा। निवेशकों की पैनी नजर जहां औद्योगिक उत्पादन, क्रय प्रबंधक सूचकांक

और वाहन बिक्री जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी, वहीं मानसून की प्रगति भी बाजार के रुख को प्रभावित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौता भी वैश्विक बाजारों के माध्यम से घरेलू धारणा पर असर डाल सकता है। आगामी सप्ताह कई अहम आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं।

औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) के आंकड़े निवेशकों को देश की आर्थिक सेहत का संकेत देंगे। इसके अलावा, वाहन कंपनियों द्वारा जारी किए जाने वाले मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था होने के नाते, मानसून की प्रगति हमेशा से भारतीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक रही है। हालांकि, इस बार मानसून 10 दिनों की देरी के बाद पश्चिमी भारत में आगे बढ़ा है, लेकिन पूर्वी भारत में इसकी धीमी गति चिंता का विषय बनी हुई है। यदि मानसून पूर्वी क्षेत्रों में कमजोर रहता है, तो यह निवेश धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित अंतिम शांति समझौते की दिशा में प्रगति का सीधा असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों और अंततः शेयर बाजार पर दिखेगा। पिछले सप्ताह की बात करें तो, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद घरेलू बाजारों ने मामूली बढ़त दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत चढ़कर 77,100.47 अंक पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 24,056 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजारों में, निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.83 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.03 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटने के बाद बिचौलिए भारत को दे रहे सस्ते तेल का ऑफर

रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी सिंगापुर और दुबई की छोटी ट्रेडिंग कंपनियों के

नई दिल्ली।

अमेरिका से प्रतिबंधों में ढील के बाद कई बिचौलिए भारत को सस्तार तेल बेचने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटा दिया है, जिसके बाद तमाम बिचौलियों ने भारत को सस्ताा ईरानी तेल खरीदने का ऑफर दिया है। इस डील में भारत को सामान्यो क्रूड की कीमत के मुकाबले करीब 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल की बचत हो सकती है।

भारतीय रिफाइनरी सूत्रों का कहना है कि कई बिचौलिए ईरानी तेल छूट पर बेचने की पेशकश कर रहे हैं, क्योंकि तेहरान वाशिंगटन की अस्थायी प्रतिबंध छूट के बाद बिक्री तेज करना चाहता है।भारतीय रिफाइनरियों से संपर्क सीधे नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी (एनआईओसी) और बिचौलियों के जरिए हुआ है, जिन्होंने कहा है कि उन्हें ईरानी राज्य उत्पादक से तेल मिला है। एक रिफाइनिंग सूत्र ने बताया कि एनआईओसी के अलावा कई व्यापारी हमसे ईरानी तेल बेचने के लिए संपर्क कर रहे हैं, लेकिन मेरी प्राथमिकता एनआईओसी को मौका देना है। सूत्रों का कहना है कि एनआईओसी भारतीय खरीदारों को बता रहा है कि ईरानी कच्चा तेल अन्यस क्षेत्रीय ग्रेड की तुलना में 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल सस्ता होगा। रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी ज्यादातर सिंगापुर और दुबई की छोटी और मध्यम ट्रेडिंग कंपनियों से हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते ईरानी पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पकनेजाद की नई दिल्ली यात्रा के दौरान भारत को कच्चा तेल और एलपीजी की संभावित आपूर्ति पर भी चर्चा हुई। हालांकि, भारतीय रिफाइनरियों के पास निकट भविष्य में ईरानी कच्चा तेल लेने की सीमित गुंजाइश है।

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई ।

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्रे तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

टॉप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

कच्चे तेल सस्ता होने से और एफआईआईएस की खरीदारी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में ₹88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइस ICICI बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा। एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकॉम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने भी क्रमशः 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा। भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर (बाजार

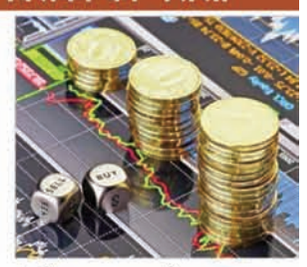

पूंजीकरण भी क्रमशः 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

दक्षिण-पूर्व एशिया में मंडराया खाद्य महंगाई का खतरा गोल्डमैन सैक्स

बढ़ती ऊर्जा लागत, अल-नीनो का खतरा और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ाएंगे खाद्यान्नों के दाम

नई दिल्ली।

अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी जारी की है। अपनी नई रिपोर्ट में बैंक ने कहा है कि आगामी समय में इस क्षेत्र में खाद्य महंगाई तेजी से बढ़ सकती है, जिसके पीछे मौसम संबंधी जोखिम, बढ़ती ऊर्जा लागत और उर्वरकों की कमी जैसे कई कारक जिम्मेदार होंगे। इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम आसमान छू सकते हैं। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के त तक एक मजबूत अल-नीनो मौसम पैटर्न विकसित होने की प्रबल संभावना है। यह स्थिति बारिश के पैटर्न को गंभीर रूप से बिगाड़ सकती है, जिससे कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं भीषण सूखे की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम प्रतिकूल रहा, तो चावल, सब्जियों और अन्य प्रमुख खाद्यान्न फसलों का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा, जिससे बाजार में आपूर्ति घटने और कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें किसानों की उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि कर रही हैं। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है, जिसका सीधा असर परिवहन लागत और कृषि इनपुट पर पड़ता है। यह बढ़ी हुई लागत अंततः महंगे खाद्य उत्पादों के रूप में उपभोक्ताओं तक पहुंचेगी।

मंत्री ने ब्रिटेन में सीईटीए की तैयारियों की समीक्षा की

लंदन ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (सीईटी) से परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि का आह्वान किया।

वे 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते की तैयारियों की समीक्षा के लिए ब्रिटेन दौरे पर हैं। गोयल ने भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल से चर्चा में कहा कि सीईटीए का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक विकास होना चाहिए। उन्होंने भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों को उन्नत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से कारोबार विस्तार का सुझाव दिया।

मंत्री ने जोर दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सामान्य 4-6 फीसदी वृद्धि दर से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने बताया कि सीईटीए केवल शुल्क नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने अगले महीने लागू होने वाले दोहरा योगदान समझौता भी जिक्र किया। इस अवसर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें भी जारी की गईं।

ईवी बाज़ार में बदलाव टाटा मोटर्स 2031 तक 14 नए मॉडल लाकर बढ़ाएगा अपनी पकड़

कंपनी का लक्ष्य 2030-31 तक ईवी पहुंच को 30 फीसदी से अधिक करना

नई दिल्ली।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार के अर्ली अडॉप्टर्स चरण से आगे बढ़ने के साथ ही, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए कमर कस रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक चार बिल्कुल नए ईवी उत्पाद और 10 से अधिक उन्नत संस्करण वाले मॉडल पेश करने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी को मजबूत करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में, कंपनी ने बताया कि भारतीय ईवी बाजार अब अर्ली अडॉप्टर्स से अर्ली मेजॉरिटी ग्राहकों की ओर बढ़ गया है। ये वे ग्राहक हैं जिन्हें किसी भी नई तकनीक को अपनाने से पहले सफल केस स्टडीज देखने की आवश्यकता होती है। इस बदलाव को भुनाने के लिए, टाटा मोटर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030-31 तक अपने इलेक्ट्रिक वाहन खंड में 30 प्रतिशत से अधिक की बाजार पहुंच हासिल करना है। कंपनी ने कहा कि वह अर्ली और लेट मेजॉरिटी ग्राहकों के बीच ईवी को बढ़ावा देने के लिए अपने उत्पादों को लगातार बेहतर बनाएगी। वर्तमान में, अर्ली अडॉप्टर्स की हिस्सेदारी 13.5 प्रतिशत है, जबकि अर्ली मेजॉरिटी और लेट मेजॉरिटी दोनों की हिस्सेदारी 34-34 प्रतिशत है, जो बाजार के बड़े हिस्से को दर्शाते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, टाटा मोटर्स 2030-31 तक कुल 10 ईवी गाड़ियों का मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करेगा। इसमें चार नए उत्पाद शामिल होंगे, जिनमें सिएरा.ईवी, इसके अविन्या कॉन्सेप्ट पर आधारित एक उत्पाद, और दो अन्य मॉडल शामिल हैं।

विदेशी बाजारों से घरेलू तेल-तिलहन में मामूली सुधार, किसानों को मिल रहा बेहतर दाम

अंतर्राष्ट्रीय मजबूती के बावजूद घरेलू मांग कमजोर, लेकिन सोयाबीन-सरसों किसानों को मिला बेहतर मूल्य

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खाद्य तेलों की मजबूती का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजारों पर भी देखा गया, जहाँ कीमतों में मामूली सुधार दर्ज हुआ। सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के दाम बढ़ गए।

हालाँकि, घरेलू हाजिर कारोबार में कमजोर मांग के चलते यह तेजी सीमित रही। बाजार सूत्रों ने बताया कि ऊंचे दामों के कारण सरसों की मांग सुस्त है। वहीं सोयाबीन किसानों को पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से बेहतर दाम मिले हैं, जिससे वे ऊंची कीमतों पर ही उपज बेच रहे हैं, परिणामस्वरूप सोयाबीन तिलहन में मजबूती आई।

मूंगफली तेल के थोक दाम सस्ते होने से इसकी मांग बढ़ी। बिनौला की आपूर्ति बेहद कम होने से इसके तेल में भी सुधार आया, जिसकी कमी पामोलीन पूरी कर रहा है। हालांकि, आयातक अभी भी आयात लागत से नीचे भाव पर तेल बेचकर नुकसान उठा रहे हैं। इस बीच, कई वर्षों बाद सोयाबीन और सरसों के बेहतर दाम मिलने से किसानों का उत्साह बढ़ा है।

यह स्थिति भविष्य में तेल-तिलहन के उत्पादन में वृद्धि कर सकती है, जिससे देश में खाद्य तेलों के दाम स्थिर होंगे, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार बढ़ेंगे और आयातित तेलों पर भारत की निर्भरता भी कम हो सकेगी। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 7,575-7,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,575 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ।

गर्मी के मौसम में एसी की बिक्री गिरी, ठंडे पेय और आइसक्रीम की धूम

बेमौसम बारिश और महंगाई ने एसी उद्योग को झटका दिया

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की बिक्री ने एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। जहां उम्मीद के विपरीत एयर कंडीशनर (एसी) की मांग कमजोर रही, वहीं ठंडे पेय, आइसक्रीम और डेयरी उत्पादों ने शानदार वृद्धि दर्ज की। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव ने उपभोक्ताओं की खर्च करने की आदतों को प्रभावित किया, जिससे गर्मी से राहत देने वाले उत्पादों की बिक्री में विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, जून में देश के कई हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश, आंधी और शाम के समय कम तापमान ने एसी की बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव डाला। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि जून में, खासकर उत्तर भारत में, एसी की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव के अलावा, पिछले कुछ वर्षों में एसी की कीमतों में 18 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि ने भी उपभोक्ताओं को एयर कूलर और पंखों जैसे सस्ते विकल्पों की ओर धकेल दिया है। हालांकि, कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में एसी उद्योग के कारोबार के मूल्य में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और ऊंची कीमतें हैं। इसके उलट, पेय पदार्थ और डेयरी कंपनियों ने इस गर्मी में जोरदार मांग दर्ज की। कोका-कोला भारत के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी को पूरे गर्मी के मौसम में अच्छी मांग मिली, जिसमें छोटे पैक, क्विक कॉमर्स और चलते-फिरते उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति ने प्रमुख भूमिका निभाई। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने घोषणा की कि जून तिमाही में उनके ताजा डेयरी उत्पादों और आइसक्रीम कारोबार की बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिकारी की वृद्धि हुई है। आइसक्रीम, दही और डेयरी पेय की मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी। हैवमोर आइसक्रीम के एक अे प्रबंध निदेशक देबब्रत मुखर्जी ने त्वरित उपभोग वाले उत्पादों जैसे कोन, स्टिक और सिंगल-सर्व कप की बढ़ती मांग पर जोर दिया, जिसे फटाफट सामान पहुंचाने वाले मंचों से बल मिला। वहीं, डीएस ग्रुप के अे धिकारी ने बताया कि रायता मसाला, छाछ मसाला और जलजीरा जैसे पारंपरिक भारतीय पेय पदार्थों की मांग में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर कर रही काम

नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर काम कर रही है, जिसे स्प्रिंग 2027 में स्टैंडर्ड आईफोन 18 के साथ लॉन्च किया जा सकता है। ऐपल इस बार उन दो बड़ी कमियों को दूर कर सकता है, जिनकी शिकायत पहले आईफोन एयर यूजर्स ने सबसे ज्यादा की थी - कैमरा और बैटरी लाइफ। मौजूदा आईफोन एयर में सिर्फ एक रियर कैमरा मिलता है, जिससे कई यूजर्स को मल्टीपल कैमरा ऑप्शन की कमी महसूस हुई थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल नए आईफोन एयर 2 में अल्ट्रावाइड कैमरा जोड़ सकता है, यानी फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है।

इससे यूजर्स प्रो मॉडल खरीदे बिना भी आसानी से लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और वाइड एंगल शॉट्स ले सकेंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि ऐपल पहले ही डुअल कैमरा वाले कुछ प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर चुका है, हालांकि फोन का ओवरऑल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। ऐपल इस बार बैटरी पर भी खास ध्यान दे सकता है। अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन की वजह से बड़े बैटरी पैक के लिए जगह कम होती है, जिससे पहले मॉडल की बैटरी को लेकर कुछ सवाल उठे थे।

लीक्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 में या तो बड़ी बैटरी दी जा सकती है या फिर कंपनी बेहतर पावर एफिशिएंसी पर काम करेगी। इसके लिए फोन में नया ए20 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे नए मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर बनाया जा सकता है, जिससे बैटरी बैकअप और पावर मैनेजमेंट पहले से बेहतर होने की उम्मीद है।

अगर आपको मौजूदा आईफोन एयर का पतला और हल्का डिजाइन पसंद आया है, तो अच्छी खबर है क्योंकि रिपोर्ट्स बताती हैं कि ऐपल डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा।

कंपनी मौजूदा डिजाइन को और बेहतर बनाने पर फोकस कर रही है और पहले मॉडल की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी।

आईफोन एयर सीरीज उन लोगों के लिए बनाई गई है जो प्रो मॉडल जितनी कीमत खर्च किए बिना हल्का और प्रीमियम आईफोन चाहते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 इस बार ऐपल के पारंपरिक सितंबर लॉन्च इवेंट का हिस्सा नहीं होगा। कहा जा रहा है कि कंपनी आईफोन लॉन्च को दो चरणों में बांट सकती है।

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाकपो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

वाशिंगटन : नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाकपो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाकपो और मॉडल नोआ वैन डेर बिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाकपो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण में पहुंच चुका है। वैन डेर बिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेर बिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाकपो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाकपो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाकपो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड का सफर खत्म

तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 को कहा अलविदा

महिला टी20 विश्व कप 2026 में मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ व्हाइट फर्न्स न केवल टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, बल्कि टीम की तीन दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू ने भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मैच के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर इस महान तिकड़ी को भावुक विदाई दी।

मेली केर ने संभाली पारी, लेकिन टीम नहीं बचा सकीं

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। कप्तान सोफी डिवाइन ने 14 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद मेली केर ने 34 गेंदों में 42 रन बनाकर पारी को संभाला। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। हालांकि बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। इंग्लैंड की ओर से डैनी गिब्सन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए।

ग्रुप स्टेज में ही बाहर हुई डिफेंडिंग चैंपियन – महिला टी20 विश्व कप 2026 की विजेता बनकर उतरी न्यूजीलैंड टीम इस बार उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। टूर्नामेंट का अंत न्यूजीलैंड के लिए बेहद निराशाजनक रहा।

तीन दिग्गज खिलाड़ियों का शानदार करियर हुआ खत्म – इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और तेज गेंदबाज लिया ताहुहू के टी20 इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच साबित हुआ। मुकाबले के बाद इंग्लैंड की टीम ने मैदान पर दोनों टीमों के बीच गार्ड ऑफ ऑनर बनाकर इन तीनों दिग्गजों को सम्मानजनक विदाई दी, जिसने सभी क्रिकेट प्रेमियों को भावुक कर दिया।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने बनाई सेमीफाइनल में जगह – इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। टीम के लिए यह हार इसलिए भी यादगार रही क्योंकि इसी मुकाबले के साथ तीन महान खिलाड़ियों के शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

बेल्जियम ने जीता एफआईएच प्रो लीग का खिताब

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली । बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2026 का खिताब जीतते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। नीदरलैंड्स को 2-1 से हराकर बेल्जियम ने एक मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस उपलब्धि के साथ बेल्जियम ओलंपिक में जगह पक्की करने वाली पहली पुरुष हॉकी टीम बन गई है।

नीदरलैंड्स को हराकर जीता दूसरा प्रो लीग खिताब – शनिवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड्स को 2-1 से मात देकर एफआईएच प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम ने अंक तालिका में ऐसी बढ़त बना ली कि एक मैच बाकी रहते ही उसे चैंपियन घोषित कर दिया गया। यह बेल्जियम का एफआईएच प्रो लीग इतिहास में दूसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 2021 में पहली बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी।

● **हेंड्रिक्स और बून ने दिलाई यादगार जीत** – बेल्जियम की जीत में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। नीदरलैंड्स की ओर से तीसरे क्वार्टर में टिजमेन रेयेंगा ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन बेल्जियम ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त आखिर तक कायम रखी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी किया पक्का

एफआईएच प्रो लीग जीतने के साथ ही बेल्जियम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का कोटा भी हासिल कर लिया। मेजबान अमेरिका पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, जबकि बेल्जियम उपलब्ध 12 कोटा में जगह बनाने वाली पहली पुरुष टीम बन गई। महिला वर्ग में प्रो लीग चैंपियन बनने के बाद पहला ओलंपिक कोटा नीदरलैंड्स की महिला टीम को मिला।

विसेंट वनाश बने प्लेयर ऑफ द मैच

बेल्जियम के गोलकीपर विसेंट वनाश को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे मुकाबले में कई अहम बचाव किए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच के बाद वनाश ने कहा कि टीम ने शुरुआत से अंत तक शानदार संघर्ष किया और इस जीत की पूरी हकदार थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा पीढ़ी द्वारा इतिहास में दूसरी प्रो लीग ट्रॉफी जीतना गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफाई करने पर भी खुशी जताई।

अफ्रीका ने रचा इतिहास

पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

न्यूयॉर्क । फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्दे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :
मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो
विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

● **कांगो की जीत ने रचा इतिहास** – कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

● **अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत** – इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

एंटीगा : वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष – पहले गेम में श्रीकांत ने 17-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

चेक ओपन 2026:

दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

नई दिल्ली। चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

अर्जेंटीना की धमाकेदार जीत, मेसी का छठा गोल

ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया भी नॉकआउट में पहुंचे

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-जे के दो मैच खेले गए, जिससे लीग स्टेज का अंत बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। भारत में 12 जून से शुरू हुए लीग स्टेज 28 जून को जाकर खत्म हुआ। डिफेंडिंग चैंपियंस अर्जेंटीना के सामने जॉर्डन की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने 3-1 से जीत हासिल की। जबकि ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया के बीच खेला गया मैच टक्कर का रहा, जो 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप से अर्जेंटीना, अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया तीनों टीमों ने राउंड ऑफ 32के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि जॉर्डन का सफर ड्रॉ के साथ ही समाप्त हुआ।

कैसा रहा अर्जेंटीना बनाम जॉर्डन मैच का हाल?

डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेसी की अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से मात दी। इस मैच में पूरे मैच में अर्जेंटीना का दबदबा देखने को मिला। मैच

के 24वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने शानदार गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 31वें मिनट में जॉर्डन के डिफेंस ने अपने बॉक्स के अंदर फाउल किया, जिसके बाद अर्जेंटीना को पेनेल्टी शूट अवॉर्ड किया गया, जिसमें बिना कोई गलती किए लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागा और अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

मैच में फिर जॉर्डन ने वापसी की कोशिश की। दूसरे हाफ में उन्होंने पलटवार किया। 55वें मिनट में मूसा अल तमारी ने गोल कर स्कोर को 2-1 पर पहुंचा दिया। मेसी ने 80वें मिनट पर अपना इस विश्व कप का छठा गोल दागा और इस तरह अर्जेंटीना ने 3-1 का स्कोर कर दिया। इसके बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने 3-1 से मैच जीतकर अगले राउंड में मजबूती से कदम बढ़ाए। वहीं, जॉर्डन की टीम का सफर समाप्त हुआ।

ऑस्ट्रिया बनाम अल्जीरिया का मैच कैसा रहा?

कैंसस सिटी में खेला गया यह मैच बेहद ही रोमांच से भरपूर रहा। ये मुकाबला 3-3 की बराबरी पर छूटा, लेकिन दोनों ही टीमें राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में कामयबा रही। मैच में मार्को अर्नातोविच ने 28वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को अल्जीरिया पर 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अल्जीरिया के राफिक बेलघाली ने 45वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 पर पहुंचाया। फिर ऑस्ट्रिया के मार्सेल सबित्जर ने 55वें मिनट में गोल किया और टीम को 2-1 से आगे कर दिया। फिर रियाद महरेज ने गोल कर 2-2 स्कोर कर दिया। रियाद ने इंजरी टाइम में 90+3वें मिनट में गोल किया अल्जीरिया को 3-2 से आगे कर दिया। ऐसा लगा कि ऑस्ट्रिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, लेकिन सासा कालजिच ने 90+6वें मिनट में गोल दागकर स्कोर को 3-3 कर दिया। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ और दोनों टीमों ने नॉकआउट का टिकट कटाया।

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।

दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लांखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी वेअ लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का जिक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस

दे शभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 615 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 116 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 315 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 616 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।

रेसिपी

मेथी चमन

सामग्री

- मेथी पत्ता: 1 कप
- पालक : 1 कप
- कटा हुआ पनीर: 150 ग्राम
- हरी मिर्च: 2
- बारीक कटा प्याज: 1
- जीरा: 1 चम्मच
- सरसों तेल: 3 चम्मच
- हल्दी पाउडर : 1/4 चम्मच
- धनिया पाउडर : 1 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर : 1/2 चम्मच

विधि

एक पैन में पानी उबालें। उसमें थोड़ा-सा नमक डालें। गैस ऑफ करें। पालक एवं मेथी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। उबले हुए पानी में पालक व मेथी डालें। पैन को पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। पालक व मेथी को पानी से निकालें और तुरंत ठंडे पानी से धो लें। आधा कप गर्म पानी बाद में इस्तेमाल के लिए बचाकर रख लें। ब्लेंडर में दोनों साग व हरी मिर्च डालें व पेस्ट तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा एवं प्याज डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब साग वाली प्यूरी और नमक को कड़ाही में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर चार से पांच मिनट तक पकाएं। बचा हुआ गर्म पानी कड़ाही में डालकर मिलाएं। दो-चार मिनट और पकाएं। पनीर के टुकड़े और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं। कड़ाही को ढककर तीन-चार मिनट तक सब्जी को और पकाएं। गैस ऑफ करें। रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

पालक कढ़ी

सामग्री

- पालक : 1/2 किलो
- दही: 1 कटोरी
- बेसन: 4 चम्मच
- मेथी दाना: 8 चम्मच
- हींग चुटकी भर
- सौंफ : 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च: 4
- नमक : स्वाद के अनुसार
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच

विधि

पालक को साफ करके धो लें और बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें हींग, मेथी, लाल मिर्च, सौंफ और हल्दी डालें। एक दो मिनट बाद कड़ाही में पालक डालें और मध्यम आंच पर भून लें। इस बीच एक बर्तन में दही, बेसन और पानी डालकर अच्छी तरह से फेंटें। जब पालक का पानी सूख जाए तो बेसन वाला यह मिश्रण कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर कढ़ी को पकाएं। नमक डालकर मिलाएं। जब कढ़ी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद करें। चावल के साथ गर्मागर्म पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेंगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु ये यो भा भी भू धा

अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3932

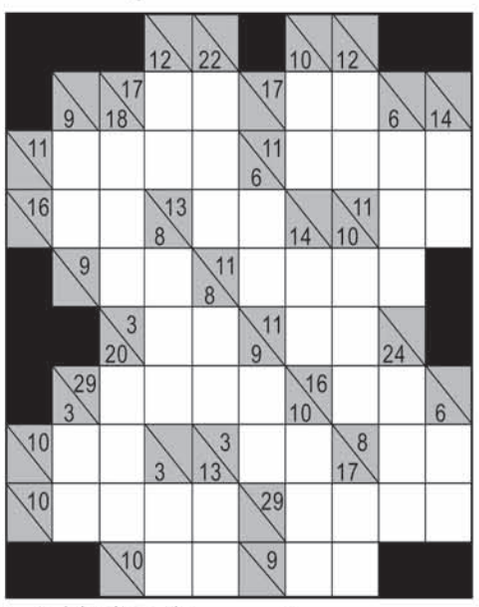

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

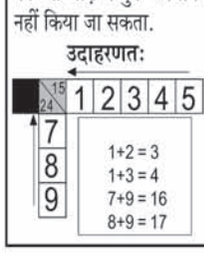

काकुरो - 3931 का हल

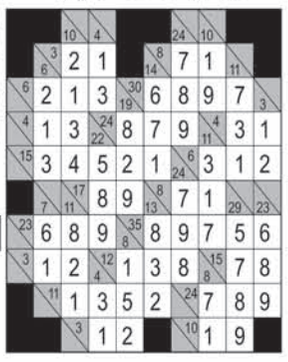

हंसी के फव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा-'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया-'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3932

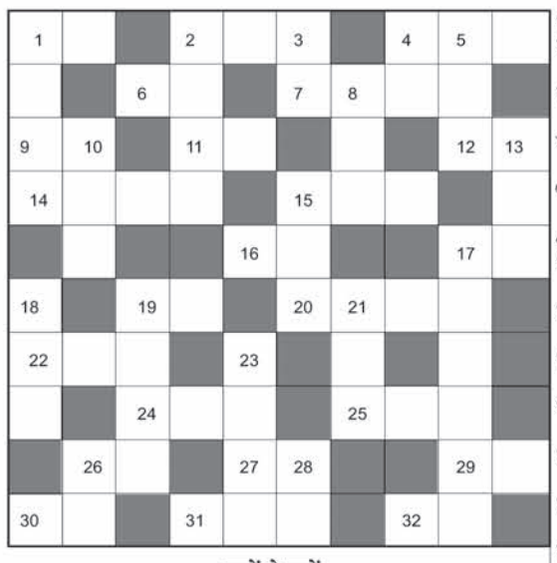

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3931

य	स	बां	स		स	र	फ	रे	श
हू		बी		ह	त्या		रा	जा	
दी	पा		दे	व		डो	र		अं
	ल	म्हे		स	हे	ली		रा	ज
खा	की		औ		रा		अं	ज	लि
मो		स	र	ग	म			पू	
श	रा	फ	त			प्रि	य	त	मा
		र		मि	ली		श		ई
रे	टी		सू	ल		रॉ		खे	ल
	ना	म		न	म	की	न		व

सूडोकु - 3932

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3931 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3932

बाएँ से दाएँ

1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला,जाम-2
11. टोंटी,नलका-2
12. आनंद,जूस-2
13. प्रतिज्ञा,शपथ-3
16. सिमरन,सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन,लेखनी-3
22. कमल,जलज-3
23. क्रोध,गुस्सा-2
24. पाश,फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव,प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1. उर्वरक-2
2. विशाल,श्रेष्ठ-3
3. धनवान,संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5. दैत्य,असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार,पार लगाना-3
10. शरण,आश्रय-3
14. चूर-चूर,ढहा-5
15. टोंटी,नलका-2
17. युद्ध,संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र,दोस्त,मीत-2
27. हूर,अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर,नैहर-3
34. युक्तिवाद,पैरवी-3
35. टब,परात,तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत,तह-2
41. कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3931 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न
था	न		र		के	ला	श		भ	ला
वा			खा	बिं	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	व
ह			म		दा	म	न			र
र	ध		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी